खबर संक्षेप

पुलिस अधीक्षक ने आरक्षक को किया निलंबित

शहडोल। कर्तव्य के दौरान मनमानी और अनुशासनहीनता बरतने वाले पुलिसकर्मियों के खिलाफ पुलिस अधीक्षक डॉ. संजय कुमार अग्रवाल ने सख्त तेवर अपनाते हुए बड़ी कार्रवाई की है। थाना जयसिंहनगर के एफआरवी वाहन पर तैनात आरक्षक प्रहलाद सिंह को अपनी ड्यूटी का अनधिकृत उपयोग करना भारी पड़ गया। आरक्षक द्वारा बिना किसी पूर्व सूचना के और उच्च अधिकारियों को अंधेरे में रखकर एफआरवी वाहन का मनमाने ढंग से उपयोग किया गया, जिसके चलते मौके पर अप्रिय स्थिति पैदा हो गई। इस गंभीर अनुशासनहीनता और लापरवाही को थाना प्रभारी व वरिष्ठ अधिकारियों ने बेहद गंभीरता से लिया। अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस) ब्यौहारी द्वारा सौंपे गए जांच प्रतिवेदन के आधार पर एसपी डॉ. संजय कुमार अग्रवाल ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी आरक्षक प्रहलाद सिंह को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। निलंबन अवधि के दौरान उनका मुख्यालय रक्षित केंद्र शहडोल संबद्ध किया गया है। पुलिस महकमे में हुई इस कार्रवाई से अनुशासनहीनता करने वाले अन्य कर्मियों में भी हडक़ंप मच गया है।

मोहम्मद साइब ने राष्ट्रीय डीएवी में स्वर्ण पदक विजेता बने

शहडोल। लंबे समय तक जीवित रहने के लिए स्वस्थ रहना बहुत ही आवश्यक है। जब आप स्वस्थ रहेंगे तो आपका जीवन खुशहाली के साथ इस दुनिया में बीतेगा।उसके लिए आपको शारीरिक व्यायाम करना जरूरी है। जिसके के बाद आपको मानसिक शांति की प्राप्ति होगी है । आज इस माहौल में शरीर की देखभाल कर लेना बहुत बड़ी उपलब्धता है। बच्चों का रुझान इस ओर ले जाना जरूरी है। आज स्कूलों में जो खेल कूद होते हैं यही छात्रों की प्रारंभिक बुनियाद है और इस बुनियाद को कायम रखने के लिए स्कूल के साथ-साथ छात्रों के माता-पिता का भी योगदान आवश्यक है। गत दिनों डी.ए.वी.राष्ट्रीय खेलकूद जोनल लेविल का आयोजन कटनी मध्य प्रदेश मे हुआ। इस राष्ट्रीय खेलकूद में 500 छात्रों ने भाग लिया। जिसमें डीएवी बुढार के होनहार छात्र मोहम्मद साइब ने गोला फेक (शाटपुट)एवं तवा फेक (डिस्कस थ्रो) मे स्वर्ण पदक प्राप्त कर स्कूल के साथ-साथ पूरे संभाग को गौरांवित किया। हम उसके उज्जवल भविष्य की कामना करते हैं मोहम्मद साइब पढ़ाई के साथ खेलकूद मे प्रदेश लेविल मे भी अपना जलवा दिखा चुके है। छात्र के माता-पिता उनके स्कूल के समस्त शिक्षक एवं व्यवस्थापक के प्रति आभार व्यक्त करते हैं। इस तरह के खेल हमेशा होते रहे तो छात्रों के अंदर खेलकूद में आगे बढने की इच्छा जागृत होती है और वहीं छात्र आगे चलकर देश के लिए खेल कर स्वर्ण पदक लाकर भारत देश का नाम दुनिया में रोशन करता है । मोहम्मद साइब के द्वारा स्वर्ण पदक विजेता बनने पर पूरे संभाग में खुशी की लहर दौड़ गई है मोहम्मद साइब के पिता शेख कैसर एसईसीएल सोहापुर क्षेत्र के अमलाई ओसीएम मे माइनिंग सरदार के पद पर सेवा दे रहे जबकि मां अफरोज परवीन गृहस्थ जीवन के साथ मोहम्मद साइब के पढ़ाई और खेलकूद में पूर्ण सहयोग कर रही है। जिसका नतीजा स्वर्ण पदक के रूप में मिला। धनपुरी नगर के संभ्रांत और खेलकूद में रूचि के धनी नागरिको ने साइब के साथ माता पिता को बधाई दी है।

आस्था के केंद्र में विवाद से उबाल

विरोध के नारों के बीच माफी और एफआईआर के बाद बुढ़ार में शांति बहाली की पहल, पंडाल की नापजोख करने पहुंचे प्रशासनिक अमले से विवाद

मंच से लगाए गए विरोध में नारे, प्रतिमा पटकने पर शेखर चौधरी ने स्वीकार की गलती

सामूहिक माफी मांगी, धार्मिक भावनाएं आहत होने की शिकायत पर पुलिस ने दर्ज किया मामला

नवरात्रि की दस्तक, मां दुर्गा की आराधना की तैयारियां और तभी आस्था के केंद्र बने दुर्गा पंडाल में ऐसा विवाद कि बुढ़ार का माहौल गरमा उठा। प्रशासनिक अमला पंडाल की नापजोख करने पहुंचा तो विरोध शुरू हो गया। आरोप है कि इसी दौरान मां दुर्गा की फ्रेमयुक्त प्रतिमा निकालकर पटक दी गई। घटना का वीडियो सामने आने के बाद धार्मिक भावनाएं आहत होने के आरोप के साथ हिंदू संगठन सडक़ पर उतर आए। थाने का घेराव हुआ और कार्रवाई की मांग गूंजने लगी। विवाद के केंद्र में रहे शेखर चौधरी ने अपनी गलती स्वीकार करते हुए सामूहिक माफी भी मांगी, लेकिन मामला तब तक पुलिस तक पहुंच चुका था। अब एफआईआर दर्ज है, पुलिस जांच जारी है और नवरात्रि से ठीक पहले हुए इस घटनाक्रम ने कई सवाल खड़े कर दिए हैं। हालांकि, प्रशासन और पुलिस की सक्रियता के बाद क्षेत्र में शांति बहाली के प्रयास तेज हुए हैं।








शहडोल

जिले के बुढ़ार नगर में दुर्गा पंडाल को लेकर शुरू हुआ विवाद अब धार्मिक भावनाएं आहत होने की शिकायत और पुलिस कार्रवाई तक पहुंच गया है। प्रशासनिक अमले की नापजोख के दौरान शुरू हुए विवाद में मां दुर्गा की फ्रेमयुक्त प्रतिमा पटकने का आरोप लगा है। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर प्रसारित होने के बाद आक्रोश फैल गया। हिंदू संगठनों ने बुढ़ार थाने का घेराव कर आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। पुलिस ने शिकायत के आधार पर शेखर चौधरी सहित अन्य के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (क्चहस्) की तीन धाराओं में मामला दर्ज किया है। इस बीच शनिवार देर रात भी नारेबाजी और विरोध का घटनाक्रम सामने आया, जिसके बाद पुलिस ने लोगों को समझाइश देकर स्थिति सामान्य बनाए रखने का प्रयास किया।

नापजोख के दौरान विवाद, प्रतिमा पटकने का आरोप

जानकारी के अनुसार, बुढ़ार नगर के वार्ड क्रमांक 8 स्थित नेहरू पार्क दुर्गा स्टेज पर नवरात्रि से एक दिन पहले प्रशासनिक अमला पंडाल की नापजोख करने पहुंचा था। बताया जाता है कि यह पंडाल करीब 30 वर्षों से संचालित है। नापजोख के दौरान पंडाल के कर्ताधर्ता शेखर चौधरी और उनके समर्थकों ने विरोध जताया। विवाद बढऩे पर हंगामे की स्थिति बन गई। आरोप है कि इसी दौरान शेखर चौधरी ने मां दुर्गा की फ्रेमयुक्त प्रतिमा निकालकर पटक दी। मंच से तहसीलदार, नगरपालिका के सीएमओ सहित अन्य लोगों के विरोध में नारेबाजी भी की गई।

शिकायत में जूते पहनकर प्रतिमा पटकने का उल्लेख

पुलिस में दर्ज एफआईआर के अनुसार, वार्ड क्रमांक 5, पुरानी बस्ती निवासी अजय नारायण पाठक (48) ने 11 अक्टूबर 2026 को लिखित शिकायत दी। शिकायत में आरोप लगाया गया कि 10 अक्टूबर की शाम करीब 7 से 8 बजे के बीच नेहरू पार्क दुर्गा स्टेज पर स्थापित मां दुर्गा की प्रतिमा को शेखर चौधरी और उनके साथियों ने कथित तौर पर जूते पहने हुए अपने पैरों के पास पटक दिया, जिससे प्रतिमा को नुकसान पहुंचा। शिकायतकर्ता ने इसे धार्मिक भावनाएं आहत करने वाला कृत्य बताते हुए कार्रवाई की मांग की। शिकायत में यह भी कहा गया कि घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर प्रसारित होने से लोगों में आक्रोश फैला और क्षेत्र की शांति व्यवस्था प्रभावित होने की आशंका उत्पन्न हुई।

माफी के बाद भी नहीं थमा आक्रोश, थाने का घेराव

घटना के बाद शेखर चौधरी ने प्रेस वार्ता आयोजित कर प्रतिमा पटकने की घटना पर अपनी गलती स्वीकारते हुए सामूहिक रूप से माफी मांगी। हालांकि, इसके बावजूद हिंदू संगठनों का आक्रोश सामने आया। संगठन के लोग बुढ़ार थाने पहुंचे और घेराव कर विरोध जताया। प्रदर्शनकारियों ने थाने के सामने बैठकर धार्मिक जयकारे लगाए और संबंधित लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की।

देर रात फिर थाने पहुंचे दर्जनों लोग

शनिवार देर रात शेखर चौधरी की अगुवाई में दर्जनों लोग बुढ़ार थाने पहुंचे। इस दौरान नगर परिषद अध्यक्ष के खिलाफ मुर्दाबाद के नारे लगाए गए। साथ ही उनके परिजनों और पूर्व विधायक के विरोध में भी नारेबाजी की गई। थाने पहुंचकर लोगों ने थाना प्रभारी के सामने अपनी बात रखी और दुर्गा पंडाल में पूजा-अर्चना को लेकर अपनी आशंकाएं व्यक्त कीं। इस दौरान थाना प्रभारी ने लोगों को आश्वस्त किया कि किसी भी स्थिति में पूजा-अर्चना में बाधा नहीं आने दी जाएगी। उन्होंने यह भी भरोसा दिलाया कि पुराने मंच को लेकर कोई बड़ी कार्रवाई नहीं की जाएगी। पुलिस की समझाइश और आश्वासन के बाद मौके पर मौजूद लोग शांत हुए। देर रात हुए इस घटनाक्रम के बाद पुलिस ने क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाए रखने पर जोर दिया।

बीएनएस की तीन धाराओं में एफआईआर

पुलिस रिकॉर्ड के मुताबिक, बुढ़ार थाने में एफआईआर क्रमांक 0725/2026 के तहत 11 अक्टूबर को शाम 6 बजकर 57 मिनट पर मामला दर्ज किया गया। इसमें भारतीय न्याय संहिता, 2023 की धाराएं 298, 299 और 196(1)(क) लगाई गई हैं। थाना प्रभारी निरीक्षक खेम सिंह पेंड्रो के नाम से दर्ज प्रकरण की जांच उपनिरीक्षक रजनीश तिवारी को सौंपी गई है। पुलिस का कहना है कि शिकायत और उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर मामले की जांच की जा रही है।

सुरक्षा व्यवस्था का लिया जायजा

घटना की संवेदनशीलता और नवरात्रि पर्व को देखते हुए शहडोल पुलिस अधीक्षक डॉ. संजय कुमार अग्रवाल बुढ़ार थाने पहुंचे। उन्होंने नगर का भ्रमण कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया और संबंधित अधिकारियों से घटनाक्रम की जानकारी ली। क्षेत्र में शांति एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस बल को सतर्क रहने के निर्देश दिए गए। संवेदनशील स्थानों पर निगरानी बढ़ाने तथा किसी भी प्रकार की अफवाह या तनावपूर्ण स्थिति पर तत्काल कार्रवाई करने पर जोर दिया गया। पुलिस की सक्रियता, अधिकारियों की निगरानी और लोगों को दी गई समझाइश के बाद क्षेत्र में स्थिति सामान्य बनाए रखने के प्रयास किए गए। प्रशासन और पुलिस की प्राथमिकता नवरात्रि के दौरान पूजा-अर्चना शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराना तथा किसी भी तरह के विवाद को बढऩे से रोकना है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी है और नगर में शांति बहाली बनाए रखने के लिए निगरानी जारी है।

इनका कहना है...

अनुविभागीय अधिकारी (एसडीएम) के आदेश पर हम मौके पर पहुंचे थे। वहां पूर्व से निर्मित दुर्गा स्टेज के चारों ओर पक्का निर्माण किए जाने की पुष्टि हुई। मौके पर नायब तहसीलदार एवं प्रशासनिक टीम भी मौजूद थी। पहले नोटिस दिया गया था, लेकिन किसी ने रिसीव नहीं किया। इसके बाद शनिवार शाम वन विभाग के अधिकारियों के निर्देश पर हम मौके पर पहुंचे थे।"

सौरभ श्रीवास्तव
सीएमओ, नगर परिषद बुढ़ार

****

नगर परिषद के सीएमओ द्वारा हमें सूचना दी गई थी कि संबंधित स्थल पर पुराना निर्माण है तथा वहां दुर्गा जी की स्थापना की जा रही है। उक्त सूचना के आधार पर हम शनिवार देर शाम मौके पर पहुंचे थे। मौके पर निर्माण को तोडऩे संबंधी न तो कोई आदेश था, न ही हमारे साथ जेसीबी मशीन गई थी और न ही निर्माण तोडऩे के संबंध में कोई बात कही गई थी।

मनोज सिंह
नायब तहसीलदार, बुढ़ार

****

हिंदू संगठन के लोग थाने आए थे और शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत के आधार पर धार्मिक भावनाओं को आहत करने एवं इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से वीडियो प्रसारित करने के संबंध में मामला दर्ज किया गया है। फिलहाल मामले में पुलिस जांच जारी है।

खेम सिंह पेंड्रो
थाना प्रभारी, बुढ़ार

अम्बे मां का स्वागत करने उमड़ रहे श्रद्धालु

शारदेय नवरात्रि शुरू, गली कूचों में सज रहे पण्डाल

शहडोल। शारदेय नवरात्रि का पावन पर्व रविवार से प्रारंभ हो गया। शक्ति स्वरूपा मां अम्बे के आगमन पर नगर में उल्लास व्याप्त है। श्रद्धालुजन अपने नयनों में श्रद्धा व प्रेम लिये मां दुर्गे का स्वागत करने मंदिरों में पहुंचने लगे हैं। माता रानी के सभी शक्ति स्थलों में भीड़ दिखाई पड़ी। इसके अलावा नगर के गली कूचों में माता रानी की झांकी विराजने पण्डाल सजाए जा रहे हैं। जहां शीघ्र ही माता रानी की प्रतिमा विराजी जाएगी।




विराटेश्वरी धाम में मेला

नगर के बाजार क्षेत्र स्थित मां दुर्गा का प्रसिद्ध विराटेश्वरी धाम श्रद्धालुओं से भरा रहा। सुबह से ही अम्बे मां के दर्शन करने लोगों की भीड़ पहुंचने लगी और मेले जैसा वातावरण निर्मित हो गया। मंदिर में माता का शैलपुत्री के रूप में दिव्य श्रंगार किया गया और उनकी विधि विधान से पूजा अर्चना की गई। मंदिर में दिन भर माता रानी के जयकारों की गूंज होती रही।

बस्तियों में सज रहे पण्डाल

नवदुर्गा उत्सव के प्रमुख स्थानों के साथ ही नगर के गलीकूचों में माता रानी को विराजने पण्डाल सजाए जा रहे हैं। माता की आकर्षक झांकियां विराज कर भक्ति भाव से उनकी पूजा की जाएगी। रोजाना सैकड़ों की तादात में दर्शक माता रानी की झांकियां देखने नगर के कोने कोने से पहुंचेगे। नगर में रेलवे कालोनी, घरौला मुहल्ला, सोहागपुर, बाजार के परमट, पंचायती मंदिर इंद्रा चौक आदि स्थल वर्षों से दुर्गोत्सव के प्रमुख केन्द्र रहे हैं।

प्रसिद्ध स्थलों में मेला

मां विराटेश्वरी धाम के अलावा नवरात्रि पर नगर के अन्य शक्ति स्थलों में भक्तों का नौ दिनों तक मेला लगेगा। इनमें पुलिस लाइन स्थित मां शारदा का मंदिर, रेलवे काली माता का मंदिर, सहित नगर के समीप अंतरा धाम स्थित माता कंकाली का मंदिर, पाली रोड स्थित मां बूढ़ी माता का मंदिर आदि धार्मिक स्थलों में नौ दिनों तक भीड़ रहेगी और पूजा के लिए भक्तों की लम्बी कतारें लगेंगी।

अखण्ड ज्योति और जवारे भी

शक्ति स्थलों में माता रानी की अखण्ड ज्योति जलाई गई और जवारे बोए गए हैं। बताया गया कि मां अम्बे के नव स्वरूपों की पूजा अर्चना होगी और हर दिन उनका नवीन श्रंगार किया जाएगा। प्रथम दिवस मां शैलपुत्री का श्रंगार हुआ और उनकी महाआरती का आयोजन किया गया। अष्टमी तिथि पर माता को अठवाइन, चुनरी आदि का महाप्रसाद अर्पित किया जाएगा।

मेरा नाम, मेरी पहचान, मेरा मत लोकतंत्र में मेरी भागीदारी

छूटे पात्र मतदाता अपना नाम मतदाता सूची में अवश्य जुड़वाएं: कलेक्टर

शहडोल। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी पार्थ जायसवाल ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार जिले में मतदाता सूची में छूटे हुए एवं नवीन पात्र मतदाताओं के नाम जोडऩे के लिए पूरे अक्टूबर माह विशेष अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के दौरान पात्र नागरिक ऑनलाइन माध्यम से अथवा अपने क्षेत्र के बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) के माध्यम से मतदाता सूची में नाम जुड़वाने के लिए आवेदन कर सकते हैं। कलेक्टर श्री जायसवाल ने छूटे हुए पात्र मतदाताओं से अपील की है कि वे इस अभियान में सहभागिता निभाते हुए मतदाता सूची में अपना नाम अवश्य दर्ज कराएं। उन्होंने कहा कि पात्र मतदाता निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार ऑनलाइन या बीएलओ के माध्यम से आवेदन कर सकते हैं।



उन्होंने बताया कि जो युवा 18 वर्ष की आयु पूर्ण कर चुके हैं अथवा 1 जनवरी 2027 को 18 वर्ष की आयु पूर्ण करने जा रहे हैं, वे मतदाता सूची में अपना नाम जुड़वाने के लिए आवेदन अवश्य करें, ताकि पात्रता के अनुसार उनका नाम मतदाता सूची में शामिल किया जा सके। मतदाता सूची में नाम दर्ज होना लोकतांत्रिक प्रक्रिया में भागीदारी के लिए आवश्यक है। सभी पात्र नागरिक इस अभियान का लाभ उठाकर अपना नाम मतदाता सूची में अवश्य दर्ज कराएं।

राब्ता-ए -मदारिस इस्लामिया अरबीया मध्यप्रदेश के प्रांतीय सम्मेलन हुआ संपन्न



शहडोल। बुरहानपुर में दारुल उलूम शेख अली मुतकी, आनंदपुरा, उतावली सराय, बुरहानपुर के तत्वावधान में राब्ता-ए-मदारिस इस्लामिया अरबिया मध्यप्रदेश का एक दिवसीय प्रांतीय सम्मेलन आयोजित किया गया। इस महत्वपूर्ण सम्मेलन में मध्यप्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों से आए धार्मिक विद्वानों, उलमा-ए-किराम और मदरसों के जिम्मेदारों ने भाग लेकर दीन की तालीम, आपसी सहयोग तथा मदरसों के शैक्षणिक और सामाजिक उद्देश्यों पर विस्तार से विचार-विमर्श किया। इस सम्मेलन में जमीयत उलेमा मध्यप्रदेश के सदर एवं मुफ्ती-ए-आजम मध्यप्रदेश हजरत मौलाना अहमद खान साहब के साथ शहडोल शहर सदर, मोहम्मद जकरिया साहब जमीयत उलेमा संभाग शहडोल की ओर से भी प्रतिनिधित्व करते हुए सहभागिता की गई। सम्मेलन की अध्यक्षता हजरत मौलाना मुफ्ती अहमद खान साहब ने की। कार्यक्रम का शुभारंभ मौलाना मुफ्ती जयाउल्लाह के प्रारंभिक संबोधन से हुआ। उन्होंने दीन की तालीम की अहमियत, मदरसों के बीच तालमेल और समाज में इस्लामी शिक्षा के सकारात्मक प्रभावों पर प्रकाश डाला।

सम्मेलन में दारुल उलूम देवबंद के मोहतमिम हजरत मौलाना शौकत कासमी बस्तवी विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने अपने संबोधन में दीन की तालीम को समय की महत्वपूर्ण आवश्यकता बताते हुए मदरसों के बीच बेहतर तालमेल, आपसी सहयोग और साझा शैक्षणिक उद्देश्यों पर मिलकर काम करने पर जोर दिया। कार्यक्रम के विभिन्न सत्रों में उलमा और मदरसों के प्रतिनिधियों ने विद्यार्थियों के बेहतर चरित्र निर्माण, दीन की सही समझ, शैक्षणिक व्यवस्था को मजबूत बनाने तथा आपसी एकता और सहयोग को बढ़ावा देने जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर अपने विचार रखे।

आगामी त्योहारों को लेकर थाना परिसर में शांति समिति की बैठक आयोजित

जयसिंहनगर। आगामी त्योहारों को शांतिपूर्ण, सौहार्दपूर्ण एवं हर्षोल्लास के साथ संपन्न कराने के उद्देश्य से थाना परिसर में शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में पुलिस प्रशासन के अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों, गणमान्य नागरिकों एवं क्षेत्र के प्रबुद्धजनों ने सहभागिता करते हुए त्योहारों के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखने तथा आपसी भाईचारे के साथ पर्व मनाने को लेकर चर्चा की। बैठक में उपस्थित लोगों से अपील की गई कि सभी त्योहारों को आपसी प्रेम, सद्भाव और सामाजिक एकता के साथ मनाएं। किसी भी प्रकार की अफवाहों पर ध्यान न दें और न ही अपुष्ट जानकारी को सोशल मीडिया के माध्यम से प्रसारित करें। त्योहारों के दौरान शांति व्यवस्था बनाए रखना सभी नागरिकों की सामूहिक जिम्मेदारी है। पुलिस प्रशासन द्वारा स्पष्ट किया गया कि त्योहारों के दौरान शांति भंग करने, सामाजिक सौहार्द बिगाडऩे अथवा कानून का उल्लंघन करने वाली गतिविधियों पर नजर रखी जाएगी। लोगों से अपील की गई कि किसी भी संदिग्ध गतिविधि या विवाद की स्थिति में स्वयं कानून हाथ में लेने के बजाय तत्काल पुलिस को सूचना दें, ताकि समय रहते आवश्यक कार्रवाई की जा सके। बैठक में त्योहारों के दौरान निकलने वाले जुलूस, धार्मिक आयोजन, भीड़भाड़ वाले स्थानों पर व्यवस्था तथा यातायात सुचारु बनाए रखने जैसे विषयों पर भी चर्चा की गई। साथ ही धार्मिक आयोजनों के दौरान निर्धारित नियमों का पालन करने और दूसरे समुदायों की धार्मिक भावनाओं का सम्मान करने पर जोर दिया गया।



आपसी सहयोग से कायम रहेगी शांति

बैठक के माध्यम से नागरिकों से अपील की गई कि वे पुलिस एवं प्रशासन का सहयोग करें और क्षेत्र में शांति, सद्भाव तथा भाईचारे का वातावरण बनाए रखें। त्योहार समाज को जोडने और आपसी संबंधों को मजबूत करने का अवसर होते हैं। ऐसे में सभी नागरिकों को जिम्मेदारी का परिचय देते हुए मिल-जुलकर पर्व मनाना चाहिए। कार्यक्रम के अंत शांति समिति के सदस्यों एवं उपस्थित नागरिकों ने क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाए रखने तथा आगामी त्योहारों को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने में पुलिस प्रशासन को सहयोग देने की बात कही।

इनकी रही उपस्थिति

बैठक में मुख्य रूप से नायब तहसीलदार शिवकुमार सिंह थाना प्रभारी अजय कुमार जिला कार्यसमिति सदस्य रामनारायण पाण्डेय सांसद प्रतिनिधि रावेंद्र शर्मा, नगर परिषद अध्यक्ष प्रतिनिधि आदेश शुक्ला, जिला कार्य समिति सदस्य राजेश द्विवेदी, विजय दुबे, राकेश गुप्ता, सतेंद्र पयासी समस्त पत्रकार बंधु व आमजन उपस्थिति रहे।

इंटरसेप्टर वाहन से 17 चालकों पर कसा शिकंजा

तेज रफ्तार के तीन वाहनों से वसूले 7 हजार

शहडोल। सडक़ों पर मौत बनकर दौडऩे वाले तेज रफ्तार वाहन चालकों और यातायात नियमों को जेब में रखकर चलने वालों के खिलाफ अब यातायात पुलिस ने कड़ा रुख अख्तियार कर लिया है। जिला पुलिस अधीक्षक के तीखे निर्देशों के बाद, पुलिस महकमे ने आधुनिक इंटरसेप्टर वाहन के जरिए सडक़ों पर ताबड़तोड़ चेकिंग अभियान छेड़ दिया है, जिससे वाहन चालकों में हडक़ंप मच गया है। यातायात प्रभारी के नेतृत्व में चलाए गए इस विशेष अभियान के दौरान शहर और आसपास के मार्गों पर सरपट दौडऩे वाले वाहनों की रफ्तार पर पैनी नजर रखी गई। निर्धारित गति सीमा (ओवरस्पीडिंग) को ताक पर रखकर हवा से बातें कर रहे तीन तेज रफ्तार वाहनों को इंटरसेप्टर वाहन की मदद से पकड़ा गया। इन बेलगाम रफ्तार के सौदागरों के खिलाफ तुरंत चालानी कार्रवाई करते हुए पुलिस ने 7 हजार रुपए का भारी-भरकम जुर्माना वसूला।

सिर्फ ओवरस्पीडिंग ही नहीं, बल्कि अन्य ट्रैफिक नियमों की धज्जियां उड़ाने वालों को भी पुलिस ने आड़े हाथों लिया। बिना हेलमेट दोपहिया वाहन दौड़ाने वाले 6 लापरवाह चालकों के चालान काटे गए। कानून और सुरक्षा को ताक पर रखकर बाइक पर तीन सवारी (ट्रिपल राइडिंग) बैठाकर फर्राटा भरने वालों पर भी शिकंजा कसा गया। इसके अलावा अन्य विभिन्न यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले कुल 17 वाहनों के खिलाफ चालानी कार्रवाई को अंजाम दिया गया। इस पूरी सख्त कार्रवाई के दौरान यातायात पुलिस ने कुल 18 हजार 500 रुपए का जुर्माना वसूल किया है। पुलिस अधिकारियों का साफ कहना है कि इस मुहिम का मुख्य उद्देश्य सडक़ हादसों की भयानक आशंकाओं को कम करना और वाहन चालकों में ट्रैफिक डिसिप्लिन लाना है।

खबर संक्षेप



स्वास्थ्य शिविर, 109 ग्रामीणों की जांच; 19 आयुष्मान कार्ड बने

बदरा/जमुना। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद के विकासखंड अनूपपुर सेक्टर क्रमांक-3 की नवांकुर संस्था कोशिश सेवा समिति, कोतमा कॉलिरी द्वारा ग्राम पंचायत बदरा के सामुदायिक भवन कुशियरा में निःशुल्क स्वास्थ्य एवं नेत्र जांच शिविर आयोजित किया गया। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कोतमा और ग्राम पंचायत बदरा के सहयोग से आयोजित शिविर में 109 हितग्राहियों को स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ मिला शिविर में पात्र हितग्राहियों के दस्तावेजों का सत्यापन कर 19 ग्रामीणों के आयुष्मान कार्ड बनाए गए। इन कार्डों के माध्यम से पात्र हितग्राहियों को निर्धारित नियमों के अनुसार प्रतिवर्ष पांच लाख रुपये तक के उपचार की सुविधा मिल सकेगी स्वास्थ्य विभाग की टीम ने ग्रामीणों का रक्तचाप, शुगर और मौसमी बीमारियों से संबंधित परीक्षण किया तथा जरूरतमंदों को निःशुल्क दवाइयां वितरित कीं वहीं, नेत्र जांच के दौरान दृष्टि संबंधी समस्याओं से पीड़ित लोगों को आवश्यक परामर्श दिया गया और मोतियाबिंद के संभावित मरीजों की पहचान की गई कार्यक्रम में सरपंच शिवभान सिंह, पंच उमा सिंह, समिति सचिव जितेंद्र रजक, अमीन अहमद, राजकुमारी, केशव सिंह, सुरेश कुमार, सुरेंद्र सिंह, गोलू सरदार, दिलीप पनिका और शैलेश सहित अन्य लोगों का सहयोग रहा स्वास्थ्य विभाग से डॉ. आनंद विश्वकर्मा, रुखसार, अंशु मिंज, वृंदा, राम प्रताप सिंह, जहीदुद्दीन बेगम, माया सोनी, दुर्गा केवट, कृष्ण देव तिवारी तथा खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ. केएल दीवान का योगदान रहा। ग्रामीणों ने शिविर को उपयोगी पहल बताया

नवरात्र का पहला दिन और साप्ताहिक बाजार एक साथ



कोतमा। नगर में रविवार को नवरात्र के प्रथम दिन और साप्ताहिक बाजार का अनूठा संयोग होने के कारण भारी भीड़ उमड़ पड़ी। त्योहार और बाजार के एक साथ होने से जहां एक ओर व्यापार में तेजी देखी गई, वहीं दूसरी ओर नगर की यातायात व्यवस्था पूरी तरह से चरमरा गई। दिनभर मुख्य सड़कों पर जाम की स्थिति निर्मित होती रही, जिससे राहगीरों और वाहन चालकों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा। स्थानीय दुकानदारों और बाहर से आए व्यापारियों द्वारा अपनी दुकानों को तय सीमा से बाहर निकालकर सीधे सड़कों तक फैला दिया गया। फुटपाथ और सड़कों के दोनों किनारों पर अतिक्रमण होने के कारण पैदल चलने वालों के लिए भी जगह नहीं बची। नवरात्र के पहले दिन पूजा-सामग्री और बाजार की खरीदारी के लिए सुबह से ही लोगों का हुजूम उमड़ पड़ा था। भीड़भाड़ वाले इस माहौल में नगर की तंग सड़कों पर चार पहिया वाहनों का प्रवेश होने से स्थिति और भी गंभीर हो गई। बाजार क्षेत्र के भीतर बड़े वाहनों के आ जाने से यातायात पूरी तरह बाधित हो गया और कई घंटों तक गाड़ियां रेंगती नजर आईं। नगर पालिका एवं स्थानीय प्रशासन द्वारा त्योहार और बाजार को देखते हुए भारी वाहनों के प्रवेश को रोकने या रूट डायवर्ट करने के पुख्ता इंतजाम नहीं किए गए थे, जिसके चलते यह जाम और लंबा खिंच गया।

सुभाष चौक पर कोल परिवहन के खिलाफ भड़का जनसैलाब

कोयले के काले धुएं और डस्ट में घुट रहा इलाका









ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष अंकित सिंह के नेतृत्व में चक्काजाम!

नवरात्र में माता-बहनों का नंगे पांव चलना हुआ दूभर

धूल से सराबोर हुए घर, भड़के व्यापारियों ने दी अनिश्चितकालीन बंदी की चेतावनी

शहडोल। विकास के हसीन कागजी दावों और कोटरों में बैठकर चमकती कुर्सियों पर बैठने वाले हुक्मरानों की असलियत देखनी हो, तो जरा इस कोयलांचल के धनपुरी नगर पालिका के सुभाष चौक का हाल आके देख लीजिए। यहां विकास ज़मीन पर नहीं, बल्कि गहरे पाताल में धंस चुका है। चारों तरफ उड़ता कोयले का काला गुबार और उड़ती डस्ट ने स्थानीय रहवासियों, व्यापारियों और राहगीरों का जीना मुहाल कर दिया है। स्थिति इतनी विस्फोटक हो गई कि आखिरकार ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष अंकित सिंह के नेतृत्व में स्थानीय रहवासियों, व्यापारियों और युवाओं का सब्र जवाब दे गया। सडक़ों पर उतरे जनसैलाब ने कोयले के भारी-भरकम परिवहन पर घंटों तक जोरदार रोक लगाते हुए प्रशासन और कोल प्रबंधन की चूलें हिलाकर रख दीं।

माता-बहनें डस्ट फांक रही हैं!

ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष अंकित सिंह ने प्रशासन और कोल प्रबंधन को आड़े हाथों लेते हुए दो-टूक कहा कि नवरात्र का पवित्र पावन पर्व चल रहा है, जहां घर-घर में माता-बहनों की आराधना हो रही है, लेकिन विडंबना देखिए कि इसी रास्ते से हमारी माताएं और बहनें नंगे पांव पूजा-पाठ और दर्शन के लिए गुजरने को विवश हैं। जर्जर सडक़ों और उड़ती कोल डस्ट के कारण उनके पैर चोटिल हो रहे हैं और पूरा शरीर कोयले की धूल से काला पड़ रहा है। अंकित सिंह ने मांग रखी कि सप्तमी से लेकर दशहरा उत्सव तक शाम 6 बजे से रात 10 बजे तक इस रूट पर भारी वाहनों की नो एंट्री अनिवार्य रूप से लागू की जाए। उन्होंने चेतावनी दी कि त्योहार के दिनों में भारी संख्या में श्रद्धालुओं का तांता रहता है, यदि कोई बड़ी दुर्घटना घटी, तो इसकी पूरी जिम्मेदारी शासन-प्रशासन की होगी। साथ ही उन्होंने मांग की कि चौड़ीकरण का कार्य भले बाद में हो, लेकिन पहले तत्काल प्रभाव से सडक़ की मरम्मत कराई जाए और पानी के टैंकरों से छिडक़ाव की औपचारिकता बंद कर दिनभर में कई बार व्यापक स्तर पर पानी का छिडक़ाव हो।

घरों में बिछी रहती है काले कोयले की परत

स्थानीय रहवासियों और व्यापारियों का दर्द सालों पुराना है, लेकिन बहरी हो चुकी व्यवस्था के कानों पर जूं तक नहीं रेंग रही। सुभाष चौक के आसपास दर्जनों रहवासियों के घर ऐसे हैं, जिनके आँगन और दीवारें हर वक्त कोल डस्ट से सरोबार (काली) रहती हैं। यहाँ रहने वाले लोगों का सांस लेना तक दूभर हो चुका है। कोल डस्ट के नाम पर नगर पालिका और कोल प्रबंधन द्वारा किया जाने वाला पानी का छिडक़ाव और विशालकाय मशीनों से सडक़ की सफाई सिर्फ और सिर्फ एक छलावा और कागजी खानापूर्ति बनकर रह गया है।

प्रदीप रावत और आकाश चौधरी ने चेताया

व्यापारियों का आक्रोश भी सडक़ पर खुलकर फूटा। स्थानीय व्यापारी प्रदीप रावत ने अपनी आपबीती सुनाते हुए कहा कि कोल डस्ट की वजह से इस मुख्य सडक़ से पैदल निकलना भी दूभर हो गया है। उड़ती धूल के कारण स्थानीय छात्र-छात्राओं और स्कूली बच्चों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। यदि इस जानलेवा कोल डस्ट से जल्द से जल्द निजात नहीं दिलाई गई, तो इलाके के लोग मजबूर होकर कोल परिवहन को अनिश्चितकाल के लिए पूरी तरह बंद करवा देंगे। वहीं आकाश चौधरी सहित अन्य स्थानीय व्यापारियों ने रोष जताते हुए कहा कि इस भारी कोल परिवहन और डस्ट के कारण हमारा व्यापार चौपट हो रहा है। सडक़ पर उड़ते काले बादलों और भारी वाहनों की लंबी कतारों के कारण कोई भी ग्राहक इस रोड पर रुकना या खड़े होना तक पसंद नहीं करता।

वोट मांगकर गायब हो जाते हैं जनप्रतिधि

क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों की निष्क्रियता पर कड़ा प्रहार करते हुए ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष अंकित सिंह ने भाजपा के स्थानीय विधायक और सांसद की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठाए। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि चुनाव के वक्त वोट मांगने के लिए तो ये नेता बड़े-बड़े दावे करके घर-घर पहुंच जाते हैं, लेकिन जीतने के बाद मुंह तक दिखाने क्षेत्र में कभी नजर नहीं आते। इनकी पूरी राजनीति केवल चुनिंदा भाजपा कार्यकर्ताओं के घरों में जाकर फोटो खिंचवाने और वाहवाही लूटने तक सीमित रह गई है। अंकित सिंह ने खुली चेतावनी देते हुए कहा कि जनता सब देख रही है और आने वाले समय में यह कोयलांचल की जागरूक जनता ही ऐसे नकारा और उदासीन नेताओं को सबक सिखाते हुए हमेशा के लिए घर बैठाएगी। फिलहाल, चक्काजाम और तीखे विरोध के बाद प्रशासन के हाथ-पांव फूलते नजर आ रहे हैं, लेकिन देखने वाली बात यह होगी कि क्या इस जनता की चीख-पुकार पर कोई ठोस अमल होता है या फिर कोरा आश्वासन देकर इस गंभीर समस्या को फिर से ठंडे बस्ते में डाल दिया जाता है।



मानपुर नगर परिषद में खींचतान की चर्चा, विकास कार्यों को लेकर उठे सवाल

स्ट्रीट लाइट के पोल अब तक नहीं गड़े

उपाध्यक्ष-पार्षद ने पुराने कार्यों की जांच की मांग की

मानपुर। नगर परिषद मानपुर में विकास कार्यों और कार्यप्रणाली को लेकर चर्चा तेज है। स्थानीय स्तर पर अध्यक्ष और मुख्य नगर पालिका अधिकारी रचयिता अवस्थी के बीच तालमेल को लेकर सवाल उठ रहे हैं। नगर में स्ट्रीट लाइट के लिए पोल खरीदे जाने के बावजूद अब तक नहीं गाड़े जा सके हैं। ऐसे में कार्य में देरी के कारणों को लेकर स्थिति स्पष्ट होना जरूरी है। 9 अक्टूबर को ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम, 2026 के क्रियान्वयन के संबंध में निकाय स्तरीय बैठक बुलाई गई थी। सीएमओ द्वारा 8 अक्टूबर को जारी पत्र क्रमांक 1614/न.प./2026 के माध्यम से जनप्रतिनिधियों एवं संबंधित लोगों को आमंत्रित किया गया था। जानकारी के अनुसार बैठक में नगर परिषद अध्यक्ष उपस्थित नहीं हुईं।

उपाध्यक्ष-पार्षद ने उठाए सवाल, जांच की मांग

नगर परिषद की उपाध्यक्ष गीता पटेल एवं वार्ड क्रमांक 12 की पार्षद पुष्पा गौतम ने अध्यक्ष की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए पूर्व में कराए गए निर्माण कार्यों, कर्मचारियों की भर्ती, वाहनों की खरीदी और जेम पोर्टल के माध्यम से स्ट्रीट लाइट सामग्री की खरीदी की जांच कराने की मांग की है।दोनों जनप्रतिनिधियों का आरोप है कि पूर्व सीएमओ के कार्यकाल में कुछ निर्णयों और कार्यों में नियमों के पालन तथा गुणवत्ता को लेकर सवाल हैं। उनका कहना है कि इन मामलों की निष्पक्ष जांच होने पर वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।उपाध्यक्ष एवं पार्षद का यह भी कहना है कि वर्तमान सीएमओ नियम-कायदों के अनुसार कार्य कर रही हैं, जबकि अध्यक्ष के साथ कई मुद्दों पर सहमति नहीं बन पा रही है। उनके मुताबिक, इसी मतभेद के चलते परिषद के कुछ कार्य प्रभावित हो रहे हैं। हालांकि, इस संबंध में अध्यक्ष का पक्ष सामने आने के बाद ही स्थिति के दोनों पहलुओं को बेहतर ढंग से समझा जा सकेगा। जनप्रतिनिधियों ने बताया कि मामले को लेकर कलेक्टर की जनसुनवाई में शिकायत कर जांच की मांग की गई है। लगाए गए आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। नगर परिषद अध्यक्ष और सीएमओ का पक्ष प्राप्त होने पर उसे भी खबर में शामिल किया जाएगा।

सरपंच साहिबा गायब, पति की दबंगई और जूते मारने की धमकी से भड़का आक्रोश!

रक्सा पंचायत में पतिदेव की तानाशाही से सहमे पंच

17 पंचों ने खोला मोर्चा, एसडीएम दफ्तर पहुंचकर सौंपा अविश्वास प्रस्ताव

मानपुर। ग्राम सरकार के दावों और पंचायती राज व्यवस्था के ढोल की पोल उस समय खुल गई, जब ग्राम पंचायत रक्सा के असंतुष्ट पंचों का सब्र का बांध आखिरकार टूट गया। लोकतंत्र की धज्जियां उड़ाते हुए जब सरपंच पति खुद को ही पंचायत का बेताज बादशाह समझने लगे, तो परेशान और प्रताड़ित पंचों ने मिलकर सत्ता के इस तिलस्म को ध्वस्त करने का बीड़ा उठा लिया है। मानपुर तहसील मुख्यालय स्थित एसडीएम कार्यालय का प्रांगण उस समय गहमागहमी से भर गया, जब रक्सा पंचायत के कुल 19 पंचों में से 17 पंच एकजुट होकर एसडीएम दफ्तर पहुंचे और वर्तमान सरपंच श्रीमती अंजना सिंह पति हीरा सिंह के खिलाफ सीधे अविश्वास प्रस्ताव का पुलिंदा सौंप दिया।

पंचों को दी जा रही सीधी धमकियां

एसडीएम कार्यालय के बाहर अपना आक्रोश व्यक्त करते हुए वार्ड क्रमांक 11 के पंच चौधर सिंह ने अत्यंत गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने रुंधे हुए किन्तु आक्रामक स्वर में बताया हम जनता के चुने हुए प्रतिनिधि हैं। जब 2000 जनता ने सरपंच को चुना है, तो 100 जनता ने हमें भी चुनकर भेजा है, लेकिन जब हम अपने वार्डों के विकास कार्य या निर्माण स्थल (साइट) पर जाकर सवाल पूछते हैं, तो सरपंच पति हीरा सिंह हमारे पद का अपमान करता है और खुलकर अवहेलना करता है। हद तो तब हो गई जब हमें मार-पीट करने और जूतों से बात करने की खुलेआम धमकियां दी जाने लगीं। इसी सुर में सुर मिलाते हुए वार्ड क्रमांक 4 की पंच संतोषी साहू और अन्य महिला पंचों ने भी अपना दुखड़ा रोया। उन्होंने कहा कि पंचायत में जब भी कोई काम



आता है, तो सरपंच पति अपने चहेतों और सचिव/कर्मचारियों को आगे रखकर सारी मलाई आपस में बांट लेते हैं। पंचों को कोई पूछने वाला नहीं है। महिला पंचों ने आक्रोशित होकर कहा, जब हम सवाल पूछने जाते हैं, तो कहा जाता है कि तुम्हारा यहां कोई काम नहीं है। यहां तक कि जूतों से मारने तक की बात कही जाती है।<

घपले-घोटालों और ठेकेदारी की भेंट चढ़ी ग्राम पंचायत

एसडीएम को सौंपे गए अविश्वास प्रस्ताव पत्र में पंचों ने सरपंच के खिलाफ शिकायतों का लंबा कच्चा-चि_ा खोला है। ग्राम पंचायत में नियमानुसार कोई बैठक आयोजित नहीं की जाती और न ही विकास कार्यों में पंचों की राय ली जाती है। सरकारी खजाने और शासकीय अनुदान राशि का जमकर दुरुपयोग किया जा रहा है। पंचायत के वित्तीय लेन-देन में व्यापक भ्रष्टाचार और फर्जीवाड़े को अंजाम दिया जा रहा है। ग्राम सभा की बैठकों की सूचना न तो ग्रामीणों को दी जाती है और न ही पंचों को सहभागी बनाया जाता है। पंचायत में जो भी थोड़ा-बहुत काम कराया गया है, उसकी क्वालिटी बेहद घटिया और रद्दी स्तर की है। मजदूरों को काम देने के बजाय काम ठेके पर चलाए



जा रहे हैं, जिससे स्थानीय मजदूरों का हक मारा जा रहा है।

सरपंच साहिबा का सिर्फ नाम

स्थानीय प्रशासन के समक्ष अपनी व्यथा सुनाते हुए पंचों ने जो बयां किया, वह पंचायती राज की उस कड़वी हकीकत को उजागर करता है, जहां कागजों पर महिला सशक्तिकरण की बातें होती हैं, लेकिन ज़मीन पर पतिदेव की समानांतर सरकार चलती है। पंचों का साफ आरोप है कि ग्राम पंचायत की कभी कोई आधिकारिक बैठक बुलाई ही नहीं जाती। जब भी कोई विकास कार्य होता है या पंचायत में फंड आता है, तो पंचों से अभिमत लेना तो दूर, उन्हें सूचना तक नहीं दी जाती। सरपंच साहिबा तो केवल नाममात्र की रबड़ स्टैम्प हैं, असली कमान उनके पति हीरा सिंह के हाथों में है।

19 में से 17 पंचों के दस्तखत, कुर्सी खिसकना तय

अविश्वास प्रस्ताव के ज्ञापन में पंच रामसेवक साहू (वार्ड 1), मोकदम सिंह (वार्ड 2), संतोषी साहू (वार्ड 3/4), रुपेन्द्र सिंह (वार्ड 4), बीरेन्द्र विश्वकर्मा (वार्ड 6), पार्वती चौधरी (वार्ड 7), विनोद यादव



(वार्ड 8), पुनीता बाई (वार्ड 9), फूलबाई (वार्ड 10), चौधर सिंह (वार्ड 11), संतोष बैगा (वार्ड 12), श्याम जी यादव (वार्ड 14), उर्मिला सिंह (वार्ड 15), सावित्री सिंह (वार्ड 16), सीमा सिंह (वार्ड 18), रमेश सिंह (वार्ड 19) तथा कविता देवी (वार्ड 20) सहित 17 निर्वाचित पंचों के बाकायदा हस्ताक्षर और पंचनामा मौजूद हैं। 19 सदस्यीय पंचायत में 17 पंचों का एकसाथ बागी हो जाना इस बात का स्पष्ट संकेत है कि रक्सा पंचायत की सरपंच की कुर्सी अब ताश के पत्तों की तरह ढहने वाली है।

एक हफ्ते में कार्रवाई का आश्वासन

एसडीएम मानपुर को अविश्वास प्रस्ताव सौंपने के बाद पंचों ने बताया कि अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) ने मामले की गंभीरता को देखते हुए एक सप्ताह के भीतर वैधानिक कार्यवाही करने, विशेष बैठक (सम्मेलन) बुलाने और मतदान कराने का आश्वासन दिया है। अब देखना यह दिलचस्प होगा कि कागजों में चल रही इस पति की तानाशाही पर प्रशासन का डंडा कब चलता है या फिर लोकतंत्र का चीरहरण यूं ही होता रहेगा।

मां नर्मदा के उद्गम स्थल पर हुआ विधि-विधान से पूजन-अर्चन विभिन्न राज्यों के कलाकारों ने प्रस्तुत की लोककला की झांकियां

श्रद्धा, भक्ति और लोक संस्कृति के साथ निकली श्री कल्याण सेवा आश्रम की विशाल शोभायात्रा

जनप्रतिनिधियों, व्यापारियों और समाजसेवियों ने सेवा भाव से किया श्रद्धालुओं का स्वागत

अमरकंटक। पवित्र नगरी अमरकंटक में शारदीय नवरात्रि के पावन शुभारंभ पर श्री कल्याण सेवा आश्रम के तत्वावधान में जगत जननी भगवती मां दुर्गा की आराधना और सनातन परंपरा के अनुरूप विशाल शोभायात्रा श्रद्धा, भक्ति एवं धार्मिक उल्लास के साथ निकाली गई। आश्रम परिसर से प्रारंभ हुई यह भव्य शोभायात्रा नगर के प्रमुख मार्गों से होते हुए श्री नर्मदा मंदिर परिसर पहुंची। शोभायात्रा में देश के विभिन्न राज्यों से आए कलाकारों ने अपनी पारंपरिक वेशभूषा, आकर्षक झांकियों और विशिष्ट लोककलाओं का प्रदर्शन कर आयोजन को विशेष गरिमा प्रदान की। मां दुर्गा के जयकारों, भक्तिमय वातावरण और श्रद्धालुओं की सहभागिता से संपूर्ण अमरकंटक धर्ममय दिखाई दिया। छत्तीसगढ़, ओडिशा, उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश सहित विभिन्न राज्यों से आए कलाकारों ने अपनी-अपनी सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से भारतीय लोकसंस्कृति की समृद्ध विरासत को जीवंत किया। शोभायात्रा में सैकड़ों की संख्या में श्रद्धालु, भक्तजन, कन्याएं और साधु-संत सम्मिलित हुए। आकर्षक झांकियों, पारंपरिक कलाओं और भक्ति के उल्लास ने इस धार्मिक यात्रा को आध्यात्मिकता के साथ सांस्कृतिक एकता का अनुपम स्वरूप प्रदान किया।

रथ पर विराजमान हुईं मां दुर्गा और आचार्य श्री चंद्रदेव जी भगवान की प्रतिमाएं- श्री कल्याण सेवा आश्रम के प्रबंध न्यासी स्वामी हिमाद्री मुनि महाराज ने बताया कि जगत जननी भगवती मां दुर्गा की पावन शारदीय नवरात्रि के प्रथम दिवस प्रतिवर्ष श्रद्धा और परंपरा के अनुरूप विशाल शोभायात्रा निकाली जाती है। इसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु, कन्याएं तथा साधु-संत सम्मिलित होकर मां भगवती की आराधना करते हैं। शोभायात्रा में मां दुर्गा की अष्टभुजी प्रतिमा तथा आचार्य चंद्रदेव भगवान की प्रतिमा को विधिवत रथ पर विराजमान किया जाता है। उन्होंने बताया कि शोभायात्रा नगर भ्रमण करते हुए मां नर्मदा के पवित्र उद्गम स्थल तक पहुंचती है। वहां मां भगवती की प्रतिमाओं को नर्मदा जल से स्नान कराया जाता है तथा विधि-विधानपूर्वक पूजन-अर्चन संपन्न किया जाता है। इसके पश्चात श्रद्धालु पवित्र नर्मदा जल से कलश भरकर वापस आश्रम पहुंचते हैं। इसी पावन परंपरा के साथ आश्रम में नवरात्रि महोत्सव के धार्मिक अनुष्ठानों का विधिवत शुभारंभ होता है।

विभिन्न राज्यों की लोककलाओं ने मोहा श्रद्धालुओं का मन- शोभायात्रा की प्रमुख विशेषता देश के विभिन्न राज्यों से आए कलाकारों की सहभागिता रही। छत्तीसगढ़, ओडिशा, उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश के कलाकारों ने अपनी पारंपरिक कला, आकर्षक झांकियों और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से श्रद्धालुओं का मन मोह लिया। विविध राज्यों की लोककलाओं की प्रस्तुति ने भारतीय संस्कृति की व्यापकता और उसकी विविध परंपराओं के बीच विद्यमान एकता का सुंदर परिचय दिया। मां



नर्मदा के उद्गम स्थल अमरकंटक में आयोजित इस शोभायात्रा ने धार्मिक आस्था, सांस्कृतिक विरासत और जनसहभागिता को एक सूत्र में पिरोया। श्रद्धालुओं की बड़ी संख्या और साधु-संतों की उपस्थिति ने आयोजन की आध्यात्मिक गरिमा को और अधिक बढ़ाया। शोभायात्रा में पुष्पराजगढ़ क्षेत्र के विधायक फुंदेलाल सिंह मार्को सहित श्यामलाल सेन, हितेश तंबोली, दिनेश द्विवेदी और प्रकाश द्विवेदी सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक सम्मिलित हुए। धार्मिक आयोजन में जनप्रतिनिधियों और नागरिकों की सहभागिता ने कार्यक्रम को व्यापक जनसमर्थन प्रदान किया।

नगरवासियों ने जल और फल वितरित कर की श्रद्धालुओं की सेवा- विशाल शोभायात्रा के दौरान अमरकंटक नगर की सामाजिक एकजुटता, सेवाभाव और अतिथि-सत्कार की परंपरा का भी सराहनीय दृश्य देखने को मिला। नगर के नागरिकों, व्यापारियों, समाजसेवियों और विभिन्न संस्थाओं ने जगह-जगह पानी, फल-फ्रूट तथा जलपान के स्टॉल लगाए। इन स्टॉलों के माध्यम से शोभायात्रा में शामिल श्रद्धालुओं, भक्तजनों और कन्याओं को पेयजल एवं फल वितरित किए गए। कल्याणिका केंद्रीय शिक्षा निकेतन विद्यालय के साथ नगर के अनेक व्यापारियों और समाजसेवियों ने इस पुनीत कार्य में योगदान दिया। रणजीत सिंह, सोनू जैन, हरी गुप्ता, राजेश सेन और संजू राव सहित अन्य सेवाभावी नागरिकों ने श्रद्धालुओं की सेवा के लिए जल एवं फलाहार की व्यवस्था की। उनके इस प्रयास से शोभायात्रा में सम्मिलित श्रद्धालुओं को राहत मिली और धार्मिक आयोजन के साथ सामाजिक सहयोग की भावना भी साकार हुई। धर्म और सेवा के इस सुंदर समन्वय ने यह संदेश दिया कि धार्मिक आयोजनों की सार्थकता केवल पूजा-अर्चना तक सीमित नहीं है, बल्कि श्रद्धालुओं की सेवा, जरूरतमंदों के प्रति संवेदनशीलता और निःस्वार्थ सहयोग भी धर्म के महत्वपूर्ण अंग हैं। नगरवासियों का यह सेवाभाव अमरकंटक की धार्मिक परंपरा, सामाजिक समरसता और मानवीय संवेदना का प्रेरक उदाहरण बना।

साधु-संतों और श्रद्धालुओं की गरिमामय उपस्थिति- इस पावन अवसर पर परम तपस्वी बाबा कल्याण दास महाराज, स्वामी हिमाद्री मुनि महाराज, स्वामी जगदीश आनंद महाराज, स्वामी धर्मानंद महाराज, स्वामी राजा बाबा, स्वामी शांतानंद महाराज, ब्रम्हचारी मनीष स्वरूप स्वामी नर्मदानंद महाराज तथा स्वामी रामेश्वर आनंद महाराज सहित अनेक संत-महात्मा उपस्थित रहे। श्री कल्याण सेवा आश्रम के ट्रस्टी सदस्य डमरूधर अग्रवाल अपने परिवार सहित आयोजन में सम्मिलित हुए। इसके अलावा पंडित संदीप ज्योतिषी पंडित मुकेश पाठक पंडित सुनिल दुबे अतिरिक्त बड़ी संख्या में श्रद्धालु, भक्तगण, कन्याएं और धर्मप्रेमी नागरिकों ने शोभायात्रा में सहभागिता कर मां भगवती के दर्शन किए और पुण्य लाभ अर्जित किया।

पत्रकारों ने किया आयोजन का व्यापक कवरेज- श्री कल्याण सेवा आश्रम की इस भव्य धार्मिक एवं सांस्कृतिक शोभायात्रा को जन-जन तक पहुंचाने के लिए नगर के पत्रकारों ने भी सक्रिय भूमिका निभाई। इस अवसर पर उमाशंकर पाण्डेय 'मुन्नू', धनंजय तिवारी, श्रवण उपाध्याय, सोमू दुबे और संजय श्रीवास सहित अन्य पत्रकार उपस्थित रहे। पत्रकारों ने शोभायात्रा की भव्यता, विभिन्न राज्यों के कलाकारों की प्रस्तुतियों, साधु-संतों की सहभागिता तथा नगरवासियों द्वारा किए गए सेवा कार्यों को समाचार माध्यमों के जरिए आमजन तक पहुंचाने में योगदान दिया।

खबर संक्षेप

मां विरासिनी मंदिर में कलेक्टर ने विधिवत पूजा अर्चन कर घट स्थापना की

उमरिया। शारदेय नवरात्र के प्रथम दिन जिले में भक्तिमय वातावरण के बीच देवी मंदिरों में पूजा-अर्चना का सिलसिला प्रारंभ हुआ। इस अवसर पर बिरसिंहपुर पाली स्थित प्रसिद्ध मॉ विरासिनी मंदिर पहुंचकर कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय ने विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर घट की स्थापना की तथा दीप ज्योति का प्रज्ज्वलन किया । कलेक्टर ने नवरात्र के पावन पर्व पर मां विरासिनी से जिले की सुख-समृद्धि, शांति और खुशहाली की कामना की। मंदिर में नवरात्र के प्रथम दिन श्रद्धालुओं की आस्था और उत्साह देखने को मिला। जिले के देवी मंदिरों में विशेष पूजा-अर्चना के साथ धार्मिक अनुष्ठानों का आयोजन किया जा रहा है। इसके पश्चात कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय ने नौरोजाबाद स्थित ऊँचेहरा मंदिर पहुंचकर मां ज्वालामुखी माता के दर्शन किए तथा पूजा-अर्चना कर आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर एसडीएम पाली मीनाक्षी इंगले, तहसीलदार नीलेश सिंह, नायब तहसीलदार लक्ष्मीकांत शर्मा सहित पुजारी तथा भक्त जन उपस्थित रहे।

जिले को देश में मिला तीसरा स्थान

उमरिया । प्रधानमंत्री धन धान्य कृषि योजना 2026 के अंतर्गत जिले में किए गए कार्यों की राष्ट्रीय स्तर पर सराहना मिली है। गत अगस्त माह की समीक्षा में उमरिया जिले ने पूरे देश में इस योजना में तीसरा स्थान प्राप्त किया है। भारत सरकार द्वारा कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय को नई दिल्ली में आयोजित कार्यक्रम में आज 12 अक्टूबर को सम्मानित किया जाएगा।

कालिदास समारोह प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने दिखाई प्रतिभा

उमरिया। विद्यार्थियों की प्रतिभा को प्रोत्साहित करने तथा भारतीय संस्कृति, साहित्य और परंपराओं से जुड़ाव बढ़ाने के उद्देश्य से स्कूल शिक्षा विभाग, द्वारा शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय उमरिया में जिला स्तरीय कालिदास समारोह प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने श्लोकपाठ, चित्रांकन एवं नृत्य नाटिका विधाओं में उत्साहपूर्वक सहभागिता की। कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय के निर्देश पर जिला शिक्षा अधिकारी भूपेंद्र सिंह बडक़रे के मार्गदर्शन में आयोजित प्रतियोगिता का उद्देश्य विद्यार्थियों को अपनी रचनात्मक एवं सांस्कृतिक प्रतिभा प्रदर्शित करने के लिए मंच उपलब्ध कराना है। प्रतियोगिता में कनिष्ठ एवं वरिष्ठ वर्ग के प्रतिभागियों का विभिन्न विधाओं में चयन किया गया। श्लोकपाठ में स्वामी संत शरण विद्यापीठ, छपड़ौर, विकासखंड मानपुर के यश तिवारी, चित्रांकन में शासकीय सांदीपनि उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मानपुर की अंकिता केवट तथा नृत्य नाटिका में स्वामी संत शरण विद्यापीठ के ऋषि मिश्रा एवं समूह का चयन किया गया। श्लोकपाठ में स्वामी संत शरण विद्यापीठ, छपड़ौर के अभिषेक उपाध्याय, चित्रांकन में शासकीय सांदीपनि उच्चतर माध्यमिक विद्यालय करकेली के देव सिंह रहेल तथा नृत्य नाटिका में शासकीय सांदीपनि उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मानपुर की रितिका पटेल एवं समूह चयनित हुए। लोक शिक्षण संचालनालय द्वारा निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार संभाग स्तरीय प्रतियोगिता 15 अक्टूबर 2026 को तथा राज्य स्तरीय प्रतियोगिता 27 से 29 नवंबर 2026 तक उज्जैन में आयोजित की जाएगी। चयनित विद्यार्थी संभाग स्तर पर उमरिया जिले का प्रतिनिधित्व करेंगे।

छात्राओं का किया गया स्वास्थ्य परीक्षण

उमरिया। कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय के आदेशानुसार एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. व्ही.एस. चंदेल के मार्गदर्शन में अनुसूचित जाति सीनियर कन्या छात्रावास उमरिया एवं अनुसूचित जाति सीनियर कन्या छात्रावास घुलघुली में छात्राओं का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। स्वास्थ्य परीक्षण के दौरान छात्राओं का बीएमआई (बॉडी मास इंडेक्स), ब्लड प्रेशर, ब्लड शुगर एवं ओरल हेल्थ चेकअप किया गया। इसके साथ ही छात्राओं की स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं को ध्यान में रखते हुए व्यक्तिगत परामर्श दिया गया। आवश्यकता के अनुसार छात्राओं को दवाइयों का वितरण किया गया तथा जिन छात्राओं को आगे स्वास्थ्य सेवाओं की आवश्यकता थी, उन्हें उमंग स्वास्थ्य केंद्र के लिए रेफर किया गया। स्वास्थ्य परीक्षण का उद्देश्य छात्राओं के स्वास्थ्य की स्थिति का आकलन करना, स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं की समय पर पहचान करना तथा उन्हें आवश्यक उपचार एवं परामर्श उपलब्ध कराना है। इस दौरान डॉ. रीना गुप्ता, एएनएम शशि चौधरी, किशोर स्वास्थ्य परामर्शदाता श्रीमती पूजा पांडेय, छात्रावास अधीक्षक रंजना नगारची तथा नरेंद्र असवर एवं मनेंद्र नपती उपस्थित रहे।

सैकड़ों साल पुराना है पाली का शक्तिपीठ, राजा बीरसिंह ने कराया था निर्माण, नवरात्र में लाखों की आस्था का केंद्र बना है धाम

स्वप्न में मिले दर्शन, खेत से प्रकट हुईं मां बिरासिनी

बिरसिंहपुर पाली।







उमरिया। जिले के बिरसिंहपुर पाली में स्थित मां बिरासिनी देवी धाम का इतिहास आस्था और चमत्कार से जुड़ा है। स्थानीय बुजुर्गों के अनुसार यह मंदिर सैकड़ों वर्ष पुराना है और इसका प्राकट्य स्वयं मां के द्वारा दिया गया संकेत माना जाता है। नवरात्र शुरू होते ही इस शक्तिपीठ में आस्था का सैलाब उमड़ पड़ा है।*धौकल को सपने में दिखी थीं माता*क्षेत्र में प्रचलित कथा के मुताबिक आज से सैकड़ों साल पहले पाली में धौकल नाम का व्यक्ति रहता था। एक रात माता ने उसे स्वप्न में दर्शन देकर कहा कि मैं तुम्हारे खेत में वर्षों से जमीन के नीचे हूं, मुझे बाहर निकालो। सुबह होते ही धौकल ने ग्रामीणों को स्वप्न की बात बताई और खेत में खुदाई शुरू की। कुछ ही देर की खुदाई में वहां से मां की दिव्य पाषाण प्रतिमा निकली। ग्रामीणों ने उसी जगह पर घास-फूस की मढ़िया बनाकर प्रतिमा स्थापित कर दी। धीरे-धीरे मां की चमत्कारिक शक्तियों की चर्चा पूरे अंचल में फैल गई। जो भी दरबार में मन्नत मांगता, उसकी मुराद पूरी होने लगी।*बिरसिंहपुर नाम की कहानी*बताया जाता है कि जब इस चमत्कार की खबर तत्कालीन राजा बीरसिंह तक पहुंची तो वे स्वयं दर्शन करने आए। मां की महिमा से प्रभावित होकर राजा ने यहां पक्के मंदिर का निर्माण कराया और नगर बसाया। राजा के नाम पर ही इस जगह का नाम बिरसिंहपुर पाली पड़ा जो आज भी कायम है।*नवरात्र में 9 दिन जलते हैं हजारों ज्योति कलश*मां बिरासिनी धाम में चैत्र और शारदेय नवरात्र का विशेष महत्व है। यहां हर साल हजारों श्रद्धालु ज्योति कलश और मनोकामना कलश स्थापित करते हैं। नवरात्र के दौरान मंदिर में 24 घंटे अखंड ज्योति जलती रहती है और देर रात तक भक्तों की कतार लगी रहती है। शहडोल, कटनी, अनूपपुर, बिलासपुर तक से श्रद्धालु यहां दर्शनों को आते हैं।*कलेक्टर ने घट स्थापना कर की जिले की मंगलकामना*शारदेय नवरात्र के प्रथम दिन उमरिया कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय ने मां बिरासिनी धाम पहुंचकर पूरे विधि-विधान से घट स्थापना और पूजा-अर्चना की। उन्होंने मां से उमरिया जिले में अमन-चैन, खुशहाली और समृद्धि की कामना की। प्रशासन द्वारा नवरात्र में सुरक्षा और व्यवस्था के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं।

पाली के शक्तिपीठ मां बिरासनी धाम पहुंचीं मानपुर विधायक सुश्री मीना सिंह

विधायक ने ज्योति कलश जलाकर प्रदेश की खुशहाली की प्रार्थना

बिरसिंहपुर पाली



उमरियाआज से शारदीय नवरात्र प्रारंभ हो चुका हो गया बता दे की मध्य प्रदेश के उमरिया जिले के बिरसिंहपुर पाली में स्थित मां बिरासिनी धाम उमरिया जिले के मानपुर विधानसभा क्षेत्र की विधायक सुश्री मीना सिंह जी ने पाली पहुंचकर मां बिरासनी देवी का दर्शन किए और विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर ज्योति कलश प्रज्ज्वलित की। नवरात्रि के पावन पर्व पर विधायक सुश्री मीना सिंह का पाली दौरा कर। सबसे पहले उन्होंने मां बिरासनी के दरबार में माथा टेका और चुनरी चढ़ाई। मंदिर पुजारी द्वारा मंत्रोच्चार के साथ विधायक ने पूजा-अर्चना की। इसके बाद उन्होंने मंदिर परिसर में ज्योति कलश जलाकर प्रदेश एवं जिले के खुशहाली के लिए कामना की है।पूजा-अर्चना के बाद विधायक सुश्री मीना सिंह जी ने कहा कि मां बिरासनी देवी का मंदिर रात भर देश में प्रसिद्ध है पूरे विंध्य और महाकौशल क्षेत्र की आस्था का प्रमुख केंद्र है। उन्होंने देश, प्रदेश और उमरिया जिले की सुख-शांति, खुशहाली, और समृद्धि के लिए माता से आशीर्वाद मांगा। उन्होंने कहा कि माता रानी की कृपा से ही क्षेत्र में विकास के कार्य निरंतर हो रहे हैं और आगे भी होते रहेंगे।विधायक सुश्री मीना सिंह जी ने इस दौरान भाजपा कार्यकर्ता एवम श्रद्धालुओ से मुलाक़ात कर नवरात्रि पर्व की शुभकामनाएं दीं। एवम क्षेत्र के विकास को लेकर चर्चा भी की है। इस दौरान पाली एसडीएम श्रीमती मीनाक्षी बंजारे भाजपा नेता कालिका बहादुर सिंह एल्डरमैन पूर्व मंडल अध्यक्ष प्रदीप सोनी, मंडल उपाध्यक्ष एल्डरमैन कामता विश्वकर्मा एल्डरमैन रविंद्र मोटवानी पिछड़ा मोर्चा अध्यक्ष रवि सैनी मंदिर पुजारी गोपाल विश्वकर्मा पाली थाना प्रभारी गोविंद सिंह धुर्वे सुरेश विश्वकर्मा,सहित अन्य लोग रहे मौजूद।

मां नर्मदा के पावन रामघाट पर टैक्सी यूनियन ने चलाया स्वच्छता अभियान

अमरकंटक। पवित्र नगरी अमरकंटक को स्वच्छ एवं सुंदर बनाने के उद्देश्य से टैक्सी यूनियन कल्याण समिति संपूर्ण भारत, इकाई अमरकंटक द्वारा रविवार को मां नर्मदा के पावन तट रामघाट पर स्वच्छता अभियान चलाया गया। टैक्सी यूनियन अध्यक्ष आदित्य जायसवाल के सानिध्य में आयोजित इस अभियान में यूनियन के पदाधिकारियों, सदस्यों एवं सहयोगियों ने श्रमदान कर घाट की सफाई की तथा स्वच्छता का संदेश दिया। अभियान का उद्देश्य मां नर्मदा के पावन घाटों को स्वच्छ रखना, अमरकंटक की धार्मिक एवं प्राकृतिक सुंदरता को संरक्षित करना और स्थानीय नागरिकों के साथ श्रद्धालुओं को स्वच्छता के प्रति जागरूक करना रहा। अभियान में टैक्सी यूनियन के जिला प्रचार मंत्री रानू सोनी, नगर कार्यवाहक अध्यक्ष सुरेश गोस्वामी, नगर सलाहकार भूपेंद्र कुमार, नगर महामंत्री चरण सिंह, कार्यकारिणी सदस्य बंटी थापा, वरुण जैन, सोनू सोनवानी, संजय द्विवेदी, नंदलाल कुशवाहा, विकी बंजारा, राम मोहन गुप्ता, डॉ. अंकिता जायसवाल, आदर्श जायसवाल एवं दिनेश उपाध्याय उपस्थित रहे। इसके अतिरिक्त थाना अमरकंटक से आरक्षक कृष्णा राजावत, रम्मू ने भी अभियान में सहभागिता निभाई। सभी ने मिलकर श्रमदान किया और अमरकंटक को स्वच्छ बनाए रखने का संकल्प लिया। स्वच्छता अभियान के दौरान टैक्सी यूनियन ने अमरकंटक में स्वच्छता व्यवस्था को और प्रभावी बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल की आवश्यकता पर जोर दिया। यूनियन की ओर से प्रशासन से मांग की गई कि अमरकंटक में संचालित सभी टैक्सी वाहनों में डस्टबिन रखना अनिवार्य किया जाए, ताकि पर्यटक एवं श्रद्धालु यात्रा के दौरान निकलने वाले कचरे को सड़क, सार्वजनिक स्थलों और प्राकृतिक क्षेत्रों में फेंकने के बजाय डस्टबिन में डाल सकें। यूनियन का मानना है कि इस व्यवस्था से अमरकंटक की सड़कों, पर्यटन स्थलों और धार्मिक स्थलों पर स्वच्छता बनाए रखने में मदद मिलेगी। साथ ही, पर्यटकों के बीच जिम्मेदार पर्यटन एवं पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ेगी।

मकडज़ाल की तरह आए दिन खुल रही अवैध पैथोलॉजी सेंटर

मानपुर। एक तरफ जहां सबसे मानपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का हाल बेहाल है , वहीं दूसरी तरफ झोलाछाप डॉक्टरों की वजह से मरीजों की जान आफत में है न केवल डॉक्टर बल्कि पैथोलॉजी और एक्सरे का बोर्ड लगाकर पूरे मानपुर जनपद पंचायत के शहडोल रोड में फर्जीवाड़े का खेल चल रहा है, झुग्गी झोपड़ी तक में डॉक्टरों के बोर्ड लगे हुए हैं जहां मरीजों का आर्थिक शोषण जारी है, मांनपुर मुख्यालय के शहडोल रोड में आसथा हेल्थ केयर सेंटर पैथोलॉजी पटेल के द्वारा ही खून जांच सहित अन्य जांचों के नाम पर टेक्निसयनो ने दुकान खोल रखी है।

मरीजों पर आर्थिक दबाव- सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मानपुर से लगे शहडोल रोड सहित ताला मे भी कई पैथोलॉजी चिकित्सकों के सहारे चल रही हैं अधिकांश मरीजो को रक्त अन्य जांच करने के लिए मजबूर कर देते हैं, जहां जरूरत ना हो वहां भी पैथोलॉजी जांच करना अब चिकित्सकों की आदत बन गई है जिससे आर्थिक दबाव मरिज पर पड़ती है, मानपुर जंनपद मुख्यालय से लगे शहडोल रोड स्थित आस्था हेल्थ सेंटर पैथोलॉजी नामक के नाम से पैथोलॉजी का संचालन धड़ल्ले से किया जा रहा है, जो नियमों के विपरीत संचालित हो रही है, लेकिन जिम्मेदार जानकर भी अनजान हैं।

किराए की डिग्री- स्वास्थ्य विभाग ने जिले में संचालित पैथोलॉजी लैबों को खुली छूट दे रखी है सुप्रीम कोर्ट के नए नियम के अनुसार पैथोलॉजी लैब चलाने के लिए अब सिर्फ एमडी पैथोलॉजिस्ट ही मान्य होंगे, लेकिन इसके उलट बी फार्मा वा गायनोकोलॉजी डिग्री वाले लैब चला रहे हैं सूत्रों की माने तो कथित लैब संचालक द्वारा लगाई गई डॉक्टर की डिग्री किराए पर लेकर संचालित की जा रही है, खबर है कि उक्त डाक्टर की डिग्री के द्वारा कई पैथोलॉजी संचालित हो रही है।

यह कहती है गाइडलाइन- मध्य प्रदेश शासन व इंडियन मेडिकल काउंसिल के प्रावधानों के अनुसार नियमानुसार पैथोलॉजी लैब का संचालन नहीं करने पर संचालकों को पर एफ आई आर करने के साथ कानूनी धाराएं लगाकर कार्यवाही करने का प्रावधान है, वहीं सुप्रीम कोर्ट और मेडिकल काउंसिल के अनुसार मेडिकल साइंस में विशेषज्ञ भी वही कहलाएगा जो एमबीबीएस के बाद पीजी डिग्री या डिप्लोमा धारी हो स्वास्थ्य सेवाओं के नाम पर अवैध लैब को प्रतिबंधित करने कितने कारगर कदम उठाए गए हैं, यह लैब के संचालन तथा विभाग के दस्तावेजों को देखकर सहज ही अंदाजा लगाया जा सकता है।

जिम्मेदार मीटिंग में व्यस्त- मानपुर जनपद पंचायत के शहडोल रोड स्थित आस्था हेल्थ सेंटर पैथोलॉजी सहित अन्य ग्रामीण अंचलों में नियमों के विपरीत पैथोलॉजी का संचालन हो रहा है, इसके अलावा झोलाछाप सहित अन्य किसी बात को लेकर स्वास्थ्य विभाग के जिम्मेदार जवाब देने से बचने के लिए नए-नए बहाने निकालते रहते हैं जब इस संबंध में बीएमओ मानपुर एन.पी. जैसल से संपर्क कर जानकारी चाहने की कोशिश की गई तो उनके द्वारा फोन उठाना ही उचित नहीं समझ गया।

कोयलांचल में पहली बार गूंजेगी गरबे की धमक

19 अक्टूबर को इंडोर स्टेडियम में भव्य महोत्सव

धनपुरी-बुढ़ार-अमलाई की प्रतिभाएं उतरेंगी गरबा मंच पर, अलग-अलग पैनल में होगा मुकाबला; प्रथम, द्वितीय व तृतीय विजेताओं को मिलेंगे पुरस्कार



धनपुरी। धनपुरी कोयलांचल क्षेत्र में पहली बार बड़े स्तर पर गरबा नृत्य महोत्सव का आयोजन होने जा रहा है। खाटू श्याम उत्सव समिति धनपुरी-बुढ़ार-अमलाई के नेतृत्व में 19 अक्टूबर को शाम 7 बजे इंडोर स्टेडियम धनपुरी में एक दिवसीय भव्य गरबा महोत्सव आयोजित किया जाएगा। आयोजन को लेकर समिति की तैयारियां अंतिम चरण में हैं और कार्यक्रम को अंतिम रूप दिया जा रहा है।श्री राधाकृष्ण मंदिर परिसर में सोमवार शाम आयोजित बैठक में कार्यक्रम अध्यक्ष नितिन सिंह राणा की अध्यक्षता में आयोजन की रूपरेखा तय की गई। बैठक में समिति पदाधिकारियों ने विभिन्न व्यवस्थाओं की जिम्मेदारियां तय करते हुए कार्यक्रम को भव्य और व्यवस्थित बनाने पर मंथन किया।धनपुरी-बुढ़ार-अमलाई के अलग-अलग पैनल में होगा गरबासमिति अध्यक्ष नितिन सिंह राणा एवं कोषाध्यक्ष एसपी सिंह ने बताया कि गरबा डांस के लिए धनपुरी, बुढ़ार और अमलाई के अलग-अलग पैनल बनाए जा रहे हैं। इन पैनलों में बड़ी संख्या में प्रतिभागी शामिल होंगे। बेहतर प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान के लिए पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे।समिति का प्रयास है कि क्षेत्र के स्थानीय कलाकारों और गरबा प्रतिभाओं को बड़े मंच पर अपनी कला दिखाने का अवसर मिले। आयोजन में धार्मिक आस्था के साथ सांस्कृतिक रंग भी देखने को मिलेगा।पूरे क्षेत्र का आयोजन, सभी से सहभागिता की अपीलसमाजसेवी हनुमान खंडेलवाल और बलमीत सिंह खनूजा ने कहा कि यह किसी एक क्षेत्र का नहीं, बल्कि पूरे धनपुरी-बुढ़ार-अमलाई का सांस्कृतिक आयोजन है। आयोजन को सफल बनाने के लिए सभी वर्गों की सहभागिता जरूरी है। उन्होंने क्षेत्रवासियों से परिवार सहित पहुंचकर गरबा महोत्सव में शामिल होने की अपील की।नितिन सिंह राणा ने कहा कि 19 अक्टूबर की शाम इंडोर स्टेडियम में गरबे की ताल पर क्षेत्र की प्रतिभाएं अपनी कला का प्रदर्शन करेंगी। उन्होंने अधिक से अधिक लोगों से आयोजन में पहुंचने का आग्रह किया।महिलाओं की सुविधा और सुरक्षा पर विशेष ध्यानआयोजन की व्यवस्थाओं को लेकर सुजीत सिंह, अरविंद नायक और रामसिंह ने बताया कि महिलाओं के लिए बैठने की बेहतर और व्यवस्थित व्यवस्था की जाएगी। वहीं एसपी सिंह ने कहा कि गरबा में शामिल होने वाले प्रतिभागियों की सुविधा का भी विशेष ध्यान रखा जाएगा, ताकि पूरा कार्यक्रम सुरक्षित, व्यवस्थित और उत्साहपूर्ण माहौल में संपन्न हो।21 सदस्यीय टीम संभालेगी आयोजन की जिम्मेदारीकार्यक्रम के सफल संचालन के लिए 21 सदस्यीय टीम गठित की गई है। दीप प्रज्ज्वलन टीम में हनुमान खंडेलवाल (मारुति नंदन), बलमीत सिंह खनूजा (के-स्क्वायर), सुजीत सिंह (जय माता दी) और दौलत मनमानी शामिल हैं।संरक्षक मंडल में हनुमान खंडेलवाल, सुजीत सिंह, बलमीत सिंह खनूजा, रामसिंह, महेंद्र पांडेय, राजू अग्रवाल, लवकुश तिवारी, अजय जायसवाल, संजू चांदवानी, अजय सिंह, गणेश गुप्ता, शैलेष गुप्ता, संजय गुप्ता, नरोत्तम गुप्ता, पवन कुमार चीनीपुरी, सचिनपुरी, अमरजीत सिंह और अरविंद नायक शामिल हैं। एसपी सिंह कोषाध्यक्ष की जिम्मेदारी संभालेंगे। व्यवस्थाओं में स्कंद सोनी, दिलीप चतुर्वेदी, चंद्रदत्त शर्मा, रमन नामदेव, शनि सिंह, संतोष गुप्ता, अभिषेक और सूरज श्रीवास्तव सहित अन्य सदस्य सक्रिय भूमिका निभाएंगे।19 अक्टूबर की शाम इंडोर स्टेडियम में दिखेगा गरबे का रंगधनपुरी-बुढ़ार-अमलाई क्षेत्र में पहली बार इतने बड़े स्तर पर आयोजित हो रहे इस गरबा महोत्सव को लेकर क्षेत्र में उत्साह का माहौल है। 19 अक्टूबर को शाम 7 बजे इंडोर स्टेडियम धनपुरी में गरबे की ताल, संगीत और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के बीच क्षेत्र की प्रतिभाएं अपनी कला का प्रदर्शन करेंगी। समिति ने क्षेत्रवासियों से परिवार सहित पहुंचकर इस सांस्कृतिक महोत्सव को यादगार बनाने की अपील की है।

नवरात्रि-दशहरा पर केशवाही पुलिस की बड़ी पहल: सादगी से मनाएं पर्व, डीजे व यातायात व्यवस्था पर दिए बैठक में निर्देश



बुढ़ार।आगामी नवरात्रि, गरबा और विजयादशमी (दशहरा) पर्वों को शांतिपूर्ण और आपसी सौहार्द के साथ संपन्न कराने के लिए केशवाही पुलिस चौकी परिसर में एक महत्वपूर्ण शांति समिति की बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक में क्षेत्र के तमाम गणमान्य नागरिकों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और त्योहारों के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखने पर विस्तृत चर्चा की।

शांति और भाईचारे पर विशेष जोर

बैठक की शुरुआत में अनुविभागीय पुलिस अधिकारी विकास पाण्डेय ने सभी नागरिकों का स्वागत किया और पर्वों को पूरी तरह सादगीपूर्ण माहौल में मनाने की अपील की। चर्चा के दौरान यह सहमति बनी कि सभी उत्सव आपसी भाईचारे और सांस्कृतिक मर्यादा के दायरे में रहकर मनाए जाएं, जिससे समाज में सकारात्मक संदेश जाए।

प्रशासन और जनता के बीच समन्वय

नगर निरीक्षक खेम सिंह प्रेंद्रो ने कहा कि प्रशासन की ओर से स्पष्ट किया गया कि पर्वों के दौरान शांति व्यवस्था कायम रखना केवल पुलिस की नहीं, बल्कि हम सबकी सामूहिक जिम्मेदारी है। बैठक में मुख्य रूप से निम्नलिखित बिंदुओं पर विचार-विमर्श हुआ और निर्णय लिए गए:

सादगीपूर्ण आयोजनः नवरात्रि, गरबा और दशहरा पर्वों को बिना किसी अतिरेक के सादगी और हर्षोल्लास के साथ मनाया जाए।

लाउडस्पीकर व डीजे और जुलूसः ध्वनि विस्तारक यंत्रों (लाउडस्पीकर/डीजे) के प्रयोग और जुलूस के मार्गों व समय-सीमा को लेकर स्थानीय प्रशासन के तय नियमों का कड़ाई से पालन करने का आग्रह किया गया। यातायात एवं सुरक्षा व्यवस्थाः भीड़भाड़ वाले इलाकों और पंडालों के आस-पास सुचारू यातायात प्रबंधन तथा सुरक्षा के पुख्ता इंतजामों में पुलिस का सहयोग करने की बात कही गई।

सामाजिक सद्भावः क्षेत्र में किसी भी तरह की अफवाहों से बचने और आपसी सौहार्द एवं भाईचारा बनाए रखने पर बल दिया गया।

प्रमुख अधिकारियों की उपस्थिति

इस बैठक में अनुविभागीय पुलिस अधिकारी (SDOP) विकास पाण्डेय, थाना प्रभारी बुढ़ार खेम सिंह प्रेंद्रो, और केशवाही चौकी प्रभारी गंगा सिंह मार्को प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। अधिकारियों ने स्थानीय नागरिकों, समिति के सदस्यों और प्रबुद्धजनों से सीधा संवाद करते हुए हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया और अपील की कि किसी भी असुविधा या समस्या की स्थिति में तुरंत पुलिस प्रशासन को सूचित करें। क्षेत्र के नागरिकों ने भी पुलिस-प्रशासन को पूरा सहयोग देने का भरोसा दिलाया, ताकि सभी आगामी पर्व शांति, सुरक्षा और उल्लास के वातावरण में संपन्न हो सकें।

सेवा संकल्प अभियानः शहडोल में 2234 विद्यार्थियों को बांटी गई शैक्षणिक सामग्री, जनप्रतिनिधियों ने बढ़ाया हौसला





शहडोल।"मेरे सपनों का भारत, विकसित भारत" सेवा संकल्प अभियान के तहत जिले भर में स्कूली छात्र-छात्राओं को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। अभियान के अंतर्गत जिले के तीनों विधानसभा क्षेत्रों में जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों की मौजूदगी में 2234 विद्यार्थियों को पुस्तकें, पेन, बैग और अन्य शैक्षणिक सामग्री का वितरण किया गया।

मुख्य बिंदु एवं कार्यक्रम विवरण- सांदीपनि विद्यालय मऊ में वितरणः ब्यौहारी विधायक शरद कोल ने शासकीय सांदीपनि उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मऊ के छात्र-छात्राओं को अध्ययन सामग्री सौंपी और उन्हें मन लगाकर पढ़ने की प्रेरणा दी।बुढार एवं धनपुरी में आयोजनः जैतपुर विधायक जयसिंह मरावी, धनपुरी नगरपालिका अध्यक्ष श्रीमती रविंदर कौर छावड़ा और बुढार नगर परिषद अध्यक्ष श्रीमती शालिनी सरावगी ने विद्यार्थियों को शैक्षणिक किट वितरित कर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।2234 छात्र-छात्राएं लाभान्वितः जिले भर के अलग-अलग स्थानों पर आयोजित कार्यक्रमों के माध्यम से कुल 2234 विद्यार्थियों को कॉपी-किताबें, पेन और बैग प्रदान किए गए।

'शिक्षा से ही संवरेगा भविष्य'- कार्यक्रम के दौरान जनप्रतिनिधियों ने विद्यार्थियों को शिक्षा का महत्व समझाते हुए कहा कि नियमित रूप से विद्यालय आना और लगन से पढ़ाई करना ही सफलता की कुंजी है। उन्होंने बच्चों को अपने लक्ष्य तय करने और उन्हें हासिल करने के लिए निरंतर प्रयास करने के लिए प्रेरित किया।इस अवसर पर जनजातीय कार्य विभाग के सहायक आयुक्त आनंद राय सिन्हा, प्राचार्या रेवा रानी पांडेय सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि, शिक्षक और बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

खबर संक्षेप



माइक्रो फाइनेंस कंपनियों की कार्यप्रणाली पर उठे सवाल, तत्काल रोक लगाने की मांग

अनूपपुर। आदिवासी बाहुल्य अनूपपुर जिले में माइक्रो फाइनेंस कंपनियों की कार्यप्रणाली को लेकर सवाल खड़े होने लगे हैं। एडवोकेट एवं पूर्व नगरपालिका उपाध्यक्ष अनूपपुर जीवेन्द्र सिंह ने समूह बनाकर ऋण वितरण और कथित तौर पर महज 15 दिनों में ब्याज सहित वसूली किए जाने के मामले में जिला प्रशासन से तत्काल संज्ञान लेने की मांग की है। उन्होंने कंपनियों की ऋण वितरण प्रक्रिया, ब्याज दरों और वसूली के तरीकों की निष्पक्ष जांच कर अनियमितता पाए जाने पर कार्रवाई करने की अपील की है। जीवेन्द्र सिंह ने कहा कि अनूपपुर, जैतहरी, कोतमा और पुष्पराजगढ़ क्षेत्रों में बड़ी संख्या में आदिवासी एवं गरीब परिवार निवास करते हैं। ऐसे में माइक्रो फाइनेंस कंपनियों द्वारा ऋण उपलब्ध कराने और उसकी वसूली की प्रक्रिया पारदर्शी एवं नियमों के अनुरूप होनी चाहिए। उन्होंने सवाल उठाया कि आखिर 15 दिनों में ऐसा कौन-सा रोजगार या व्यवसाय संभव है, जिससे गरीब परिवार अपनी आमदनी से कर्ज और ब्याज की अदायगी कर सकें। उन्होंने आशंका जताई कि कम समय में भुगतान के दबाव के कारण कई परिवार पुराने कर्ज को चुकाने के लिए नया कर्ज लेने को मजबूर हो सकते हैं। इससे उनकी आर्थिक स्थिति और अधिक कमजोर होने की आशंका है। जीवेन्द्र सिंह ने कहा कि कर्ज का बढ़ता बोझ और वसूली का दबाव गरीब परिवारों के लिए गंभीर परेशानी का कारण बन सकता है। रोजगार के पर्याप्त अवसर नहीं मिलने पर ऐसे परिवार गुजरात, दिल्ली सहित अन्य राज्यों में मजदूरी करने के लिए पलायन करने को विवश हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि इस विषय को गंभीरता से लेते हुए प्रशासन को प्रभावित परिवारों की समस्याओं को सुनना चाहिए। उन्होंने कहा कि अनूपपुर जिले में पेसा अधिनियम लागू होने के कारण आदिवासी समुदाय के अधिकारों और ग्राम सभाओं की भूमिका का विशेष महत्व है। जहां कानून के तहत ग्राम सभा की सहमति या अनुमोदन आवश्यक हो, वहां संबंधित प्रावधानों का पालन सुनिश्चित किया जाना चाहिए। जीवेन्द्र सिंह ने जिला प्रशासन से जिले में सक्रिय माइक्रो फाइनेंस कंपनियों के पंजीयन, ऋण वितरण की शर्तों, ब्याज दरों, भुगतान अवधि और वसूली प्रक्रिया की जांच कराने की मांग की है। उन्होंने कहा कि यदि किसी कंपनी द्वारा नियमों का उल्लंघन, अनुचित दबाव या अवैध वसूली किए जाने की पुष्टि होती है, तो संबंधित कंपनी के विरुद्ध नियमानुसार कठोर कार्रवाई की जाए। उन्होंने प्रशासन से गरीब एवं आदिवासी परिवारों को कर्ज के दुष्चक्र से बचाने के लिए तत्काल कदम उठाने की अपील करते हुए कहा कि ऋण सुविधा लोगों को आत्मनिर्भर बनाने का माध्यम होनी चाहिए, न कि उनके लिए आर्थिक संकट का कारण।

मैकल की पहाड़ियों में भू-धंसाव से मचा हड़कंप, जांच में जुटी विशेषज्ञों की टीम

धर्मदास, पटना और पकरी पानी में जमीन खिसकने से बढ़ी चिंता





10 से 20 फीट तक भू-भाग धंसने का दावा, उखड़े पेड़ों और गहरे गड्ढों ने खड़े किए सवाल

अनूपपुर। पुष्पराजगढ़ क्षेत्र में मैकल पर्वत की पहाड़ियों में भू-धंसाव की घटनाओं ने पर्यावरणीय सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। धर्मदास, पटना और पकरी पानी सहित अलग-अलग स्थानों से पहाड़ी जमीन खिसकने, गहरी दरारें और गड्ढे बनने तथा पेड़ों के उखड़ने की तस्वीरें सामने आई हैं। स्थानीय स्तर पर कुछ स्थानों पर 10 से 20 फीट तक जमीन नीचे खिसकने का दावा किया जा रहा है। मामले की गंभीरता को देखते हुए वन एवं राजस्व विभाग के अधिकारी जांच में जुटे हैं। अब भू-धंसाव के वास्तविक कारणों का पता लगाने के लिए वैज्ञानिक अध्ययन की जरूरत महसूस की जा रही है। सवाल यह है कि मैकल की पहाड़ियों में हो रहे इस बदलाव के पीछे प्राकृतिक भूगर्भीय प्रक्रिया है या खनन, ब्लास्टिंग और वन कटाई जैसी मानवीय गतिविधियों की भी कोई भूमिका है? मैकल पर्वत क्षेत्र के धर्मदास, पटना के बधार और गोंदा के पकरी पानी से सामने आई तस्वीरों ने चिंता बढ़ा दी है। इन स्थानों पर पहाड़ी भू-भाग प्रभावित होने, जमीन की ऊपरी परत खिसकने, गहरे गड्ढे बनने और पेड़-पौधों के उखड़ने की जानकारी सामने आई है। हालांकि, प्रभावित क्षेत्र की वास्तविक सीमा, भू-धंसाव की गहराई और कुल क्षेत्रफल का आधिकारिक आकलन अभी महत्वपूर्ण है। अलग-अलग स्थानों पर सामने आई घटनाओं को देखते हुए सभी प्रभावित क्षेत्रों की सटीक लोकेशन दर्ज कर तुलनात्मक अध्ययन कराया जाना चाहिए। इससे यह पता लगाने में मदद मिल सकती है कि घटनाओं की प्रकृति एक जैसी है या प्रत्येक स्थान पर भू-धंसाव के कारण अलग-अलग हैं। बिना वैज्ञानिक आकलन के प्रभावित क्षेत्र की व्यापकता और खतरे की गंभीरता का सही अनुमान लगाना मुश्किल है।

विशेषज्ञों की जांच से खुलेगा भू-धंसाव का रहस्य

घटनाओं के बाद वन एवं राजस्व विभाग के अधिकारी जांच में जुटे हैं। अब इस पड़ताल में भू-वैज्ञानिकों और भूगर्भ विशेषज्ञों की भूमिका महत्वपूर्ण हो सकती है। विशेषज्ञों को चट्टानों की संरचना, मिट्टी की प्रकृति, पहाड़ी ढलान, जल निकासी, भूजल स्तर और आसपास की गतिविधियों का अध्ययन करना होगा। लगातार बारिश से मिट्टी का कटाव, जमीन के भीतर पानी का जमाव, प्राकृतिक भूगर्भीय हलचल और मानवीय हस्तक्षेप भू-धंसाव के संभावित कारण हो सकते हैं। लेकिन इनमें से किसी एक कारण को जांच पूरी होने से पहले जिम्मेदार ठहराना उचित नहीं होगा। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय, अमरकंटक के भूगोल एवं भूगर्भ से जुड़े विशेषज्ञों की सहायता लेकर वैज्ञानिक अध्ययन कराया जा सकता है। प्रभावित क्षेत्रों की पुरानी तस्वीरों, उपलब्ध उपग्रह चित्रों और वर्तमान स्थिति की तुलना से भी जमीन में हुए बदलावों को समझने में मदद मिल सकती है। अब जरूरत केवल निरीक्षण तक सीमित रहने की नहीं, बल्कि जांच के निष्कर्षों को स्पष्ट तथ्यों के साथ सार्वजनिक करने की है।

जांच के दायरे में आए पत्थर उत्खनन और ब्लास्टिंग की भूमिका

पुष्पराजगढ़ क्षेत्र में पत्थर उत्खनन, स्टोन क्रेशर और ब्लास्टिंग को लेकर उठने वाले सवालों के बीच भू-धंसाव की घटनाओं ने इन गतिविधियों की जांच की जरूरत भी बढ़ा दी है। प्रभावित पहाड़ियों के आसपास खदानों और क्रेशरों की स्थिति, खनन की स्वीकृतियां, ब्लास्टिंग का रिकॉर्ड और पर्यावरणीय शर्तों के पालन की पड़ताल की जानी चाहिए। यदि प्रभावित स्थलों के आसपास खनन गतिविधियां संचालित हो रही हैं, तो यह भी जांचना जरूरी होगा कि उनका पहाड़ी की स्थिरता पर कोई प्रभाव पड़ा है या नहीं। इसके लिए स्थल निरीक्षण, संबंधित दस्तावेजों की जांच और भू-वैज्ञानिक अध्ययन आवश्यक होंगे। हालांकि, अभी उत्खनन या ब्लास्टिंग को भू-धंसाव का प्रमाणित कारण नहीं माना जा सकता। लेकिन संभावित मानवीय प्रभावों की निष्पक्ष जांच किए बिना किसी निष्कर्ष पर पहुंचना भी जल्दबाजी होगी। जांच में प्राकृतिक और मानवीय, दोनों पहलुओं को समान गंभीरता से शामिल करना जरूरी है।

वन कटाई और बारिश से मिट्टी खिसकने की आशंका

मैकल पर्वत क्षेत्र में वन संरक्षण का महत्व केवल जैव विविधता तक सीमित नहीं है। पेड़-पौधे मिट्टी को बांधे रखने, पानी के बहाव को नियंत्रित करने और मिट्टी के कटाव को कम करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। ऐसे में प्रभावित क्षेत्रों में वनस्पति की स्थिति और पूर्व में हुई संभावित कटाई की जानकारी जुटाना जरूरी है। लगातार बारिश, मिट्टी में नमी बढ़ने, पानी के जमाव और प्राकृतिक ढलान के कारण भी कुछ परिस्थितियों में जमीन खिसक सकती है। लेकिन मैकल क्षेत्र में सामने आई घटनाओं के पीछे यही कारण हैं, इसकी पुष्टि वैज्ञानिक जांच के बाद ही हो सकेगी। प्रभावित पहाड़ियों की वर्तमान स्थिति की तुलना पुरानी तस्वीरों और उपलब्ध सैटेलाइट इमेजरी से करने पर जमीन में हुए बदलावों का आकलन किया जा सकता है। इससे यह समझने में मदद मिलेगी कि भू-धंसाव हाल में हुआ है या क्षेत्र में लंबे समय से धीरे-धीरे बदलाव हो रहे हैं।

अमरकंटक की प्रस्तावित सैटेलाइट सिटी के बीच पर्यावरण सुरक्षा का सवाल

एक ओर मैकल पर्वत क्षेत्र में भू-धंसाव की घटनाएं चिंता बढ़ा रही हैं, वहीं दूसरी ओर अमरकंटक में करीब 2,134.14 हेक्टेयर क्षेत्र में सैटेलाइट सिटी विकसित करने से संबंधित प्रस्ताव की चर्चा भी महत्वपूर्ण हो गई है। ऐसे में बड़े विकास प्रस्तावों के साथ भूगर्भीय स्थिरता, वन क्षेत्र, जलस्रोतों और पर्यावरणीय संवेदनशीलता का आकलन सुनिश्चित करना जरूरी है। इस परियोजना की वास्तविक स्थिति, प्रस्तावित सीमाओं और आवश्यक स्वीकृतियों की आधिकारिक पुष्टि भी होनी चाहिए। सवाल विकास का विरोध करने का नहीं, बल्कि यह सुनिश्चित करने का है कि विकास योजनाएं पर्यावरणीय सुरक्षा के मानकों के अनुरूप हों। यदि क्षेत्र भूगर्भीय या पारिस्थितिक दृष्टि से संवेदनशील है, तो निर्माण से पहले उसकी वहन क्षमता और संभावित प्रभावों का वैज्ञानिक अध्ययन महत्वपूर्ण होगा। मैकल पर्वत क्षेत्र और नर्मदा के उद्गम स्थल अमरकंटक की प्राकृतिक विरासत को सुरक्षित रखना दीर्घकालीन जनहित का विषय है। ऐसे में भू-धंसाव की घटनाओं की समयबद्ध जांच, प्रभावित क्षेत्रों की निगरानी और रिपोर्ट के निष्कर्षों को सार्वजनिक करना जरूरी है। अब सबसे बड़ा सवाल यही है कि मैकल की पहाड़ियों में जमीन खिसकने की घटनाओं का वास्तविक कारण क्या है और भविष्य में ऐसे बदलावों को रोकने के लिए जिम्मेदार विभाग क्या कदम उठाएंगे? इसका जवाब वैज्ञानिक जांच और पारदर्शी रिपोर्ट से ही सामने आ सकेगा।



एक करोड़ की धोखाधड़ी में दो साल से फरार आरोपी गिरफ्तार

चोई गांव की 30 से अधिक महिलाओं को ऋण दिलाने के नाम पर ठगी का आरोप

किश्तें जमा करने का झांसा देकर हड़पी गई रकम

अनूपपुर। जिले के जैतहरी थाना क्षेत्र के ग्राम चोई में 30 से अधिक महिलाओं और अन्य ग्रामीणों से एक करोड़ रुपये से अधिक की कथित धोखाधड़ी के मामले में पुलिस ने करीब दो साल से फरार आरोपी दिनेश राठौर को गिरफ्तार किया है। आरोपी पर महिलाओं को विभिन्न बैंकों और फाइनेंस कंपनियों से ऋण दिलाने तथा उसकी किश्तें स्वयं जमा करने का भरोसा देकर उनके नाम पर ऋण स्वीकृत कराने और राशि खुद हासिल करने के मामले में संलिप्त होने का आरोप है। पुलिस ने 10 अक्टूबर को आरोपी को गिरफ्तार कर वैधानिक कार्रवाई के बाद न्यायालय अनूपपुर में पेश किया। पुलिस के अनुसार, 22 फरवरी 2024 को ग्राम चोई निवासी राधा देवी राठौर ने करीब 30 अन्य पीड़ित महिलाओं के साथ जैतहरी थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत में माया राठौर, उसके पति पूरन राठौर, पुत्र नोहर उर्फ बबलू राठौर और दामाद दिनेश राठौर पर धोखाधड़ी करने के आरोप लगाए गए थे। शिकायत के मुताबिक, आरोपियों ने ग्रामीण महिलाओं को विभिन्न बैंकों और फाइनेंस कंपनियों से ऋण दिलाने का प्रलोभन दिया। साथ ही ऋण की किश्तें स्वयं जमा करने का भरोसा दिलाया। इसके बाद महिलाओं के नाम पर ऋण स्वीकृत कराया गया, लेकिन ऋण की राशि कथित तौर पर आरोपियों ने अपने कब्जे में ले ली। इस तरीके से ग्राम चोई की 30 से अधिक महिला हितग्राहियों और अन्य ग्रामीणों के साथ एक करोड़ रुपये से अधिक की धोखाधड़ी किए जाने की शिकायत सामने आई थी। शिकायत के आधार पर जैतहरी पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू की थी। इस प्रकरण में दिनेश राठौर करीब दो साल से फरार चल रहा था। पुलिस ने उसे 10 अक्टूबर 2026 को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के बाद आवश्यक वैधानिक कार्रवाई पूरी करते हुए उसे न्यायालय में पेश किया गया है। मामले में शामिल अन्य फरार आरोपियों की तलाश जारी है। पुलिस के अनुसार, कार्रवाई पुलिस अधीक्षक अनूपपुर के निर्देशन तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक और अनुविभागीय अधिकारी पुलिस अनूपपुर के मार्गदर्शन में की गई। आरोपी की गिरफ्तारी में थाना प्रभारी निरीक्षक गोकुलानंद पाण्डेय, उपनिरीक्षक जे.पी.एच. तिर्की और प्रधान आरक्षक क्रमांक 49 संजय लोधी की भूमिका रही।

कलेक्ट्रेट में ज्ञापन सौंपने पर पटवारी संघ के नेताओं पर एफआईआर

धारा 163 लागू होने के बावजूद परिसर में ज्ञापन सौंपने का आरोप



एसडीएम के निर्देश पर तीन पदाधिकारियों समेत अन्य के खिलाफ केस दर्ज

अनूपपुर। जिला मुख्यालय स्थित कलेक्ट्रेट परिसर में ज्ञापन सौंपने को लेकर पटवारी संघ और जिला प्रशासन आमने-सामने आ गए हैं। प्रतिबंधात्मक आदेश लागू होने के बावजूद बिना सक्षम अनुमति एकत्रित होकर ज्ञापन सौंपने और शांति व्यवस्था भंग करने के आरोप में पुलिस ने पटवारी संघ के तीन पदाधिकारियों समेत अन्य के खिलाफ आपराधिक प्रकरण दर्ज किया है। वहीं, पटवारी संघ के जिला अध्यक्ष ने पूर्व में अपर कलेक्टर को व्हाट्सऐप पर सूचना देने और उनकी ओर से 'ओके' का जवाब मिलने का दावा करते हुए कार्रवाई पर सवाल उठाए हैं। इससे मामला केवल प्रतिबंधात्मक आदेश के उल्लंघन तक सीमित न रहकर प्रशासनिक अनुमति और कार्रवाई की प्रक्रिया को लेकर भी विवाद का विषय बन गया है। पुलिस के अनुसार, कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट अनूपपुर ने 1 अक्टूबर को जारी आदेश के तहत कलेक्ट्रेट, सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग, खनिज विभाग और जिला पंचायत कार्यालय परिसर के सामने धारा 163 के तहत प्रतिबंधात्मक क्षेत्र घोषित किया था। इसके बावजूद 8 अक्टूबर को दोपहर करीब 2 बजे मध्यप्रदेश पटवारी संघ के बैनर तले सुधीर तिवारी, मिथलेश तिवारी, रामबदन चौधरी सहित अन्य पटवारी कलेक्ट्रेट परिसर पहुंचे और ज्ञापन सौंपा। प्रशासन का आरोप है कि बिना सक्षम अनुमति एकत्रित होकर ज्ञापन सौंपने से शासकीय कार्य में बाधा और परिसर की शांति व्यवस्था प्रभावित हुई। मामले में कार्यपालिक मजिस्ट्रेट एवं नायब तहसीलदार ज्ञानदास पनिका ने तहसीलदार वेदप्रकाश सिंह के साथ कोतवाली पहुंचकर एसडीएम के लिखित आदेश के आधार पर शिकायत दर्ज कराई। एसडीएम ने थाना प्रभारी को संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता, 2023 की धारा 223 के तहत कार्रवाई के निर्देश दिए थे। पुलिस ने सुधीर तिवारी, मिथलेश तिवारी, रामबदन चौधरी एवं अन्य के खिलाफ धारा 223(ए) के तहत प्रकरण दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है। थाना प्रभारी उमेश उपाध्याय ने बताया कि एसडीएम के आदेश तथा नायब तहसीलदार और तहसीलदार की रिपोर्ट के आधार पर मामला पंजीबद्ध किया गया है।

संघ अध्यक्ष का दावा-पहले ही दी थी सूचना

मध्यप्रदेश पटवारी संघ की जिला इकाई के अध्यक्ष चेतन सिंह मरावी ने कार्रवाई पर सवाल उठाते हुए कहा कि ज्ञापन सौंपने से पहले अपर कलेक्टर बलवीर रमन को व्हाट्सऐप पर सूचना दी गई थी। उनके अनुसार, अपर कलेक्टर ने जवाब में 'ओके' लिखा था। इसी के आधार पर 8 अक्टूबर को ज्ञापन सौंपा गया। मरावी का कहना है कि इस दौरान पटवारियों ने न तो नारेबाजी की और न ही कोई हंगामा किया, बल्कि शांतिपूर्वक अपर कलेक्टर को ज्ञापन दिया। संघ अध्यक्ष ने सवाल उठाया कि यदि प्रशासन को प्रतिबंधात्मक आदेश के उल्लंघन की आपत्ति थी, तो ज्ञापन लेते समय ही इसकी जानकारी दी जा सकती थी। उन्होंने यह भी कहा कि 15 सितंबर को भी संघ ने कलेक्ट्रेट परिसर में ज्ञापन सौंपा था। मरावी ने कार्रवाई को दबाव बनाने वाला कदम बताते हुए कहा कि जब पहले से सूचना दी गई थी और उसका जवाब भी मिला था, तब पटवारियों के खिलाफ प्रकरण दर्ज करने का आधार स्पष्ट किया जाना चाहिए। हालांकि, व्हाट्सऐप पर सूचना देने और 'ओके' जवाब मिलने के संघ के दावे से अपने आप औपचारिक अनुमति की पुष्टि नहीं होती। इस मामले में प्रशासन की ओर से उस संवाद का अर्थ और अनुमति से संबंधित स्थिति स्पष्ट होना महत्वपूर्ण है।

ऑनलाइन राजस्व कार्यों से विरत हैं पटवारी

पटवारी संघ की नाराजगी की पृष्ठभूमि में प्रदेशभर में पटवारियों के विरुद्ध की जा रही दंडात्मक कार्रवाई भी है। देवास जिले में 'स्वामित्व अधिकार अभिलेख निष्पादन एवं पंजीयन-2026' सहित अन्य कार्यों को लेकर पटवारियों पर सेवा समाप्ति की कार्रवाई की गई है। वहीं, प्रदेश के विभिन्न जिलों में निलंबन और अन्य दंडात्मक कदम उठाए जाने का विरोध किया जा रहा है। अनूपपुर जिला इकाई ने इन कार्रवाइयों के विरोध में ऑनलाइन राजस्व कार्यों से विरत रहने का निर्णय लिया है। संघ ने इस संबंध में राजस्व विभाग के प्रमुख सचिव और कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर अपनी आपत्तियां दर्ज कराई हैं। संघ का कहना है कि योजना से जुड़ी विधिक और व्यावहारिक समस्याओं से शासन को पहले ही अवगत कराया जा चुका है, इसके बावजूद पटवारियों के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। संघ के निर्णय के अनुसार, 7 अक्टूबर से प्रदेश के पटवारी ऑनलाइन राजस्व कार्यों से विरत रहने के साथ सभी शासकीय व्हाट्सऐप समूहों से भी बाहर रहेंगे। यह विरोध दंडात्मक कार्रवाई वापस लिए जाने तक जारी रखने की बात कही गई है। अब कलेक्ट्रेट परिसर में ज्ञापन सौंपने के मामले में एफआईआर दर्ज होने के बाद विवाद और गहरा गया है। एक ओर प्रशासन प्रतिबंधात्मक आदेश के उल्लंघन को कार्रवाई का आधार बता रहा है, वहीं दूसरी ओर संघ पूर्व सूचना और कथित सहमति का हवाला दे रहा है। ऐसे में व्हाट्सऐप संवाद, प्रतिबंधात्मक आदेश की शर्तों और ज्ञापन सौंपने के दौरान अपनाई गई प्रक्रिया की स्पष्टता इस विवाद के महत्वपूर्ण पहलू हैं।

महाराजा अग्रसेन के जयकारों से गूंजा अनूपपुर, गाजे बाजे के साथ निकली भव्य शोभायात्रा

अग्रसेन जयंती पर उमड़ा जनसैलाब, बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक ने उत्साहपूर्वक लिया हिस्सा

अनूपपुर। महाराजा अग्रसेन जयंती के पावन अवसर पर रविवार 11 अक्टूबर को जिला मुख्यालय अनूपपुर में अग्रवाल समाज द्वारा भव्य शोभायात्रा निकाली गई। गाजे-बाजे ढोल-धमाल और महाराजा अग्रसेन के जयकारों के बीच निकली शोभायात्रा से पूरा नगर भक्तिमय वातावरण में सराबोर नजर आया। समाज के बच्चों युवाओं महिलाओं एवं बुजुर्गों ने परिवार सहित बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। शोभायात्रा के दौरान समाज की एकता भाईचारे और आपसी सहयोग की अनूठी मिसाल देखने को मिली। रविवार सुबह 9 बजे से ही चचाई रोड स्थित दुर्गा मड़िया मंदिर में अग्रवाल समाज के सदस्यों का परिवार सहित पहुंचना शुरू हो गया था। मां दुर्गा की पूजा-अर्चना एवं प्रसाद अर्पित करने के पश्चात समाज के सदस्यों ने पारंपरिक साफा धारण कर महाराजा अग्रसेन के जयकारों के साथ शोभायात्रा का शुभारंभ किया। शोभायात्रा में ढोल-नगाड़ों और धमाल की धुन पर युवाओं एवं बच्चों ने जमकर उत्साह दिखाया। वहीं समाज के वरिष्ठजनों की उपस्थिति ने आयोजन की गरिमा को और बढ़ा दिया। दुर्गा मड़िया मंदिर से प्रारंभ हुई शोभायात्रा रेलवे स्टेशन चौक थाना तिराहा एवं बस स्टैंड होते हुए कोतमा रोड स्थित सर लगन पैलेस पहुंची। पूरे मार्ग में महाराजा अग्रसेन के जयकारे गूंजते रहे। शोभायात्रा में शामिल समाज के सदस्यों का उत्साह देखते ही बन रहा था। पारंपरिक साफा पहने समाज के लोगों ने एकजुटता का संदेश दिया। बच्चे युवा और बुजुर्ग सभी आयोजन के रंग में रंगे नजर आए।



शोभायात्रा के दौरान अग्रवाल समाज के सदस्यों ने सेवा और सहयोग की भावना का सराहनीय परिचय दिया। अग्रवाल समाज के अध्यक्ष जयनारायण अग्रवाल (पप्पू भैया) द्वारा चाय एवं नाश्ते की व्यवस्था की गई। वहीं थाना तिराहा के समीप मनोज स्टोर के गोलू भाई द्वारा चाय एवं बिस्कुट की व्यवस्था कर शोभायात्रा में शामिल लोगों का स्वागत किया गया इसी क्रम में अशोक अग्रवाल द्वारा नमकीन बिस्कुट एवं पेयजल की व्यवस्था की गई। गोविंदम होटल में समाज के वरिष्ठ अधिवक्ता संतोष अग्रवाल द्वारा चाय एवं नाश्ते की व्यवस्था की गई। वहीं सावन अग्रवाल द्वारा आइसक्रीम की विशेष व्यवस्था की गई जिसका बच्चों सहित समाज के अन्य सदस्यों ने आनंद उठाया। शोभायात्रा के मार्ग में विभिन्न स्थानों पर की गई इन व्यवस्थाओं से समाज के लोगों में उत्साह और बढ़ गया। सभी ने सेवा एवं सहयोग की भावना से आयोजन को सफल बनाने में अपनी भूमिका निभाई। उल्लेखनीय है कि अग्रवाल समाज अनूपपुर द्वारा 9 से 11 अक्टूबर तक तीन दिवसीय महाराजा अग्रसेन जयंती महोत्सव का आयोजन सर लगन पैलेस में किया गया। पहले दिन 9 अक्टूबर को आनंद मेले का आयोजन किया गया जिसमें समाज की महिलाओं द्वारा खानपान खेल एवं मनोरंजन की दुकानें लगाई गईं। दूसरे दिन 10 अक्टूबर को सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन हुआ जिसमें समाज के बच्चों एवं युवाओं ने नृत्य सहित विभिन्न प्रस्तुतियां देकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। वहीं तीसरे दिन 11 अक्टूबर को महाराजा अग्रसेन की भव्य शोभायात्रा एवं सामूहिक भोजन के साथ तीन दिवसीय महोत्सव का उत्साहपूर्ण समापन हुआ।